www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

MUMBAI TARANG

उस ज्ञान का कोई लाभ नहीं, जो समाज के हित में ना हो

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-29 ❖ मुंबई ❖ रविवार 11 से 17 जुलाई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3

कोरोना से जीत ली जंग पर, मुंबई में ब्लैक फंगस का नहीं थम रहा कहर

पेज 5

यमुनानगर में मंत्री का कार्यक्रम रोकने पहुंचे किसान पुलिस से भिड़े, बैरिकेड्स पर चढ़ाया ट्रैक्टर

पेज 7

कास्टिंग को बेहद महत्वपूर्ण मगर बहुत चैलेंजिंग मानते हैं कास्टिंग डायरेक्टर - विवेक गौतम

पेज 8

मेयर हॉल जुहू अंधेरी वेस्ट में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का भव्य आयोजन करने जा रहे है डॉ कृष्णा चौहान

उद्धव ठाकरे के ड्रीम प्रॉजेक्ट पर 'ग्रहण'

समुद्री सफर के लिए मुंबईकरों को करना होगा और इंतजार

मुंबई, कोरोना संकट और लॉकडाउन की वजह से मुंबई में कोस्टल रोड का काम भी प्रभावित हुआ है। इससे कोस्टल रोड का काम पूरा होने में तय समय से 5 महीने अधिक लग सकते हैं। पहले प्रॉजेक्ट का काम जुलाई 2023 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, अब 2023 के आखिरी में पूरा होने का अनुमान है। बीएमसी ने इसकी पुष्टि की है।

पिछले दिनों एनबीटी ने खबर छापी थी कि कोरोना संकट के कारण कोस्टल रोड का काम समय पर नहीं पूरा हो पाएगा। जिस पर शनिवार को बीएमसी ने मुहर लगा दी। महानगर में ट्रैफिक की समस्या से मुक्ति के लिए निर्माणाधीन कोस्टल रोड की समुद्री सुरक्षा दीवार का 68 प्रतिशत काम हो गया है। इससे कोस्टल रोड के काम को गति मिलेगी।

अब तक बस 36 फीसदी काम हो पाया पूरा

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का अब तक 36 प्रतिशत काम हो गया है। बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल और अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी भिडे के मार्गदर्शन में कोस्टल रोड का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

कोस्टल रोड परियोजना से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना संकट और लॉकडाउन के कारण कोस्टल रोड के काम में बाधा आई है। पिछले वर्ष भी मजदूरों की कमी के कारण कोस्टल रोड का काम प्रभावित हुआ था। इस साल भी लॉकडाउन के दौरान वही स्थिति रही। अधिकारी ने बताया कि जून से मजदूरों की समस्या दूर हुई है। इसके बाद काम तेजी से हो रहा है।

समुद्र में की जा रही भराई

कोस्टल रोड के लिए समुद्र में भराई की जा रही है। समुद्र में 100 हेक्टेयर भराई हो चुकी है। बीएमसी के अनुसार, 90 प्रतिशत काम हो गया है। 10 हेक्टेयर भराई की परमिशन मिल गई है, जिसका काम शुरू हो गया है। इसके अलावा, पाइल्स, पुलों के स्तंभ, पुल के लिए लगने वाले गर्डर, टनल में प्रवेश के लिए लगने वाला रैंप, आरसीसी बॉक्स व अन्य कार्य तेजी से हो रहे हैं।

ऐसा होगा कोस्टल रोड:-

- 10.58 किलोमीटर के प्रॉजेक्ट में 3 इंटरचेंज व 4 पार्किंग होंगे।
- दक्षिण मुंबई में प्रियदर्शिनी पार्क से छोटा चौपाटी तक 2 समानांतर टनल बनेंगी।
- इनमें से एक तरफ प्रियदर्शिनी पार्क से समुद्र के नीचे से व मलबार हिल पहाड़ी के नीचे से टनल बन रहा है।
- टनल 12.20 मीटर व्यास का बनाया जा रहा है।
- अब तक 500 मीटर खुदाई हो चुकी है।
- समुद्र में सुरक्षा दीवार तैयार की जा रही है, जिसकी लंबाई 7.47 किलोमीटर है।
- एकल स्तंभ मोनोपाइल फाउंडेशन तकनीक से बनाया जा रहा है।

नेता जी धड़ाम

पेट्रोल के दाम में वृद्धि के खिलाफ हुए प्रोटेस्ट में टूटी बैलगाड़ी, दो दर्जन समर्थकों के साथ नीचे गिरे मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप

महाराष्ट्र समेत पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की बढ़ी हुई कीमतों के खिलाफ कांग्रेस, अलग-अलग अंदाज में प्रोटेस्ट कर रही है। इसी कड़ी में शनिवार को मुंबई कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भाई जगताप के नेतृत्व में शहर के एंटॉप हिल के भरणी नाका इलाके में एक बैलगाड़ी मार्च निकाला गया। मार्च के दौरान सबसे आगे चल रही बैलगाड़ी पर मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप अपने दो दर्जन समर्थकों के साथ खड़े थे। अचानक बैलगाड़ी का वजन बढ़ा और लकड़ी से बनी यह गाड़ी टूट गई। इसके बाद भाई जगताप अपने समर्थकों के साथ नीचे गिर पड़े। नीचे गिरने के कुछ ही देर बाद भाई जगताप उठ खड़े हुए और समर्थकों ने हाथ पकड़ उन्हें खड़ा किया। अच्छी बात यह रही कि इस दुर्घटना के दौरान किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, बैलगाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है और एक बैल के पैर में भी चोट आई है। कांग्रेस का यह मार्च एंटॉप हिल से तकरीबन दो किलोमीटर दूर तक जाने वाला था। इस दुर्घटना के बावजूद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

डेप्युटी सीएम अजित पवार पर बढ़ा एऊका शिकंजा

शुगर मिल को मिले 750 करोड़ रुपये के बैंक लोन की जांच शुरू

मुंबई, प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के खिलाफ जांच तेज कर दी है। अजित और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार से जुड़ी एक शुगर फैक्ट्री को जब्त करने के बाद अब फैक्ट्री को लोन दिए गए 750 करोड़ रुपये की जांच शुरू कर दी गई है। शुगर फैक्ट्री को इतना लोन चार कोऑपरेटिव बैंकों की तरफ से दिया गया है। ईडी ने लोन के मामले में जिन चार बैंकों को नोटिस भेजा है, उनमें पुणे डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक भी शामिल है, जिसमें पवार खुद भी डायरेक्टर हैं। ईडी चार बैंकों की तरफ से जरनदेश्वर सहकारी शुगर कारखाना (SSK) को दिए गए 750 करोड़ रुपये की जांच कर रही है। ईडी, महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच कर रही है। जरनदेश्वर SSK को गुरु कमोडिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने खरीदा था। इसने जरनदेश्वर SSK को फौरन ही जरनदेश्वर शुगर मिल्स प्राइवेट लिमिटेड को लीज पर दे दिया। मिल की खरीद में इस्तेमाल किए गए फंड का हिस्सा स्पार्क्लिंग सॉइल प्राइवेट लिमिटेड से प्राप्त हुआ। ईडी के अनुसार यह कंपनी भी पवार और उनकी पत्नी से जुड़ी हुई है। जरनदेश्वर SSK का वास्तविक नियंत्रण इसी कंपनी के हाथों में था। लीज लिए जाने के एक महीने के अंदर ही पुणे डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक (जिसमें पवार भी निदेशक हैं) ने जरनदेश्वर SSK को 100 करोड़ रुपये का लोन जारी कर दिया।

कुछ साल के बाद पुणे DCCB और अन्य बैंकों ने जरनदेश्वर SSK को अतिरिक्त 650 करोड़ रुपये की राशि लोन में जारी कर दी।

अजित और उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार से जुड़ी एक शुगर फैक्ट्री जरनदेश्वर SSK को 2010 में करीब 60 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। गुरु कमोडिटी सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के मालिकाना हक वाले ओमकार ग्रुप की तरफ से 29 करोड़ रुपये, शिवालिक वेन्चर्स की तरफ से 10 करोड़ रुपये हासिल हुए। बाकी की रकम पवार के नियंत्रण वाली कंपनी की तरफ से दी गई।

पेरेंट्स के साथ मिलकर सुलझाएं स्कूल, बच्चों को क्लास से न रोकें- HC

मुंबई. बंबई उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण बंद महाराष्ट्र के सभी स्कूलों को फीस संबंधी मुद्दों को कानूनी लड़ाई बनाने के बजाय इसे अभिभावकों के साथ मिलकर आपसी सहमति से सुलझा लेना चाहिये और इसके लिये बच्चों को ऑनलाइन कक्षा लेने से नहीं रोका जाए. भुगतान नहीं होने पर बच्चों को ऑनलाइन कक्षाएं लेने से रोका जा रहा मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ भाजपा विधायक अतुल भटखल्लर की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान यह विचार व्यक्त किया. भाजपा विधायक की याचिका में इस बात पर चिंता जतायी गई है कि फीस का भुगतान नहीं होने पर बच्चों को ऑनलाइन कक्षाएं लेने से रोका जा रहा है. साथ ही इसमें दावा किया गया है कि स्कूल उन सुविधाओं का शुल्क नहीं मांग सकते, जिनका इस्तेमाल छात्र महामारी के दौरान नहीं कर रहे. याचिका में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी याचिका में अनुरोध किया गया है कि स्कूलों को 50 प्रतिशत फीस कम करने का निर्देश दिया जाए. अदालत ने बृहस्पतिवार को दो संघों 'अनएडेड स्कूल फोरम' और 'महाराष्ट्र इंग्लिश स्कूल ट्रस्टीज एसोसिएशन' को इस याचिका में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी और हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया. आर्थिक प्रभाव के कारण फीस का भुगतान करने में सक्षम नहीं अनएडेट स्कूल फोरम की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता जे पी सेन ने अदालत को बताया कि स्कूल उन अभिभावकों को छूट नहीं दे रहे हैं जो महामारी से पड़े आर्थिक प्रभाव के कारण फीस का भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं. पीठ ने कहा छात्रों को कक्षाएं लेने से रोकने के बजाय आम सहमति से इस मुद्दे का हल निकाल लेना चाहिये.

फोन टैपिंग मामले में महाराष्ट्र सरकार ने गठित की जांच समिति

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार ने फोन टैपिंग मामले की जांच के लिए राज्य के पुलिस महानिदेशक संजय पांडेय की अगुआई में उच्च स्तरीय समिति गठित की है। यह जांच समिति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के उस आरोप के बाद गठित की गई है कि राज्य में भाजपा के सत्ताकाल में 2016-17 में उनके फोन टैप किए जाते थे। पटोले उस समय सांसद थे। राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, राज्य खुफिया विभाग के आयुक्त और विशेष शाखा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इस तीन सदस्यीय जांच समिति के सदस्य होंगे। इस सप्ताह के शुरू में हुए दो दिन के मानसून सत्र के दौरान गृह मंत्री दिलीप वासे पाटिल ने विधानसभा में टेलीफोन टैपिंग मामले की जांच उच्च स्तरीय समिति से कराने की घोषणा की थी। सदन में पटोले ने यह मामला उठाया था और कई अन्य सदस्यों ने उनका समर्थन करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। पटोले ने कहा था कि 2016-17 में जिस समय उनका फोन टैप हुआ था, उस समय प्रदेश में देवेंद्र फड़नवीस के नेतृत्व वाली भाजपा-शिवसेना गठबंधन की सरकार थी। फोन की टैपिंग नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े अमजद खान मामले में हुई थी। ताजा आदेश उसी परिप्रेक्ष्य में जारी किया गया है। इसमें समिति को तीन महीने में अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। समिति मामले की जांच करते हुए पता लगाएगी कि फोन टैपिंग मामले की वजह राजनीतिक तो नहीं थी। अगर राजनीतिक कारणों से फोन टैप किया गया होगा तो राज्य सरकार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

इधर, महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर सबसे पहले भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द पूछताछ कर सकता है। फिलहाल, ईडी मुंबई पुलिस के बर्खास्त हो चुके एपीआई सचिन वाझे से पूछताछ कर रही है। वाझे से पूछताछ शनिवार को भी जारी रहेगी। ईडी ने परमबीर सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया है। परमबीर ने स्वास्थ्य कारणों से कुछ दिन बाद ईडी के सामने हाजिर होने की अनुमति मांगी है। माना जा रहा है कि ईडी महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री पर शिकंजा कसने के लिए उन पर आरोप लगाने वाले सभी लोगों से पूछताछ कर तथ्य जुटा रही है। अनिल देशमुख पर सबसे पहले परमबीर सिंह ने ही 100 करोड़ रुपये प्रतिमाह की वसूली का टार्गेट देने का आरोप लगाया था।

सीएम योगी ने जनसंख्या नीति का किया एलान, बोले-बढ़ती जनसंख्या विकास में बाधा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई जनसंख्या नीति 2021-30 जारी कर दी है। सीएम योगी ने पूरी दुनिया में बढ़ती जनसंख्या पर चिंता जताई है। सीएम योगी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या विकास में बाधा है। सीएम योगी ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास जरूरी हैं। कई दशकों से बढ़ती जनसंख्या पर चर्चा हो रही है। पिछले चार दशकों से इस पर चर्चा चल रही है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरूकता जरूरी है। सीएम योगी ने कहा कि जहां जनसख्मया नीति लागू वहां अच्छे परिणाम दिखे। जनसंखया नियंत्रण का मकसद प्रदेश में खुशहाली लानी है। नई जनसंख्या नीति में हर वर्ग का ध्यना रखा गया है। आबादी के हिसाब से यूपी सबसे बड़ा राज्य है। सीएम योगी ने कहा कि दो बच्चों के बीच उचित अंतराल नहीं होगा तो उसके पोषण पर असर पड़ेगा। हर तबके को इसके साथ जोड़ना पड़ेगा, तभी यह सफल हो पाएगा। इससे पहले सीएम योगी ने विश्व जनसंख्या दिवस पर कहा कि बढ़ती हुई जनसंख्या समाज में व्याप्त असमानता समेत प्रमुख समस्याओं का मूल है। समुन्नत समाज की स्थापना के लिए जनसंख्या नियंत्रण प्राथमिक शर्त है। उन्होंने इस 'विश्व जनसंख्या दिवस' पर लोगों से जनसंख्या से बढ़ती समस्याओं के प्रति स्वयं व समाज को जागरूक करने का प्रण लेने की अपील की।उन्होंने बढ़ती जनसंख्या को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास के लिए इसकी वृद्धि दर को नियंत्रित करना जरूरी है। सभी लोगों को बेहतर सुविधा देने के लिए जनसंख्या घनत्व को कम करना होगा।

गाइडलाइन जारी, शैक्षिक प्रशिक्षण के लिए स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को खुलने की अनुमति

राजधानी को धीरे-धीरे अनलॉक करने की प्रक्रिया जारी है। इसी बीच रविवार को दिल्ली सरकार ने अनलॉक-7 की गाइडलाइंस जारी कर दी हैं। दिल्ली सरकार ने शैक्षणिक प्रशिक्षण के लिए स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में 50 प्रतिशत क्षमता के साथ ऑडिटोरियम या असेंबली हॉल की अनुमति दी है। अब ऐसी किसी ट्रेनिंग के लिए डीडीएमए की अनुमति नहीं लेनी होगी। अनलॉक-7 की गाइडलाइंस के अनुसार, दिल्ली पुलिस, आर्मी की ट्रेनिंग या किसी संस्थान की स्किल ट्रेनिंग, कर्मचारियों की ट्रेनिंग और स्कूल कॉलेज से जुड़ी ट्रेनिंग भी शामिल हैं। आपको बता दें कि स्कूल या एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन के ऑडिटोरियम और असेम्बली हॉल एजुकेशनल ट्रेनिंग और मीटिंग के लिए 50 फीसदी क्षमता के साथ खुलेंगे। फिलहाल दिल्ली में सिनेमा हॉल, थियेटर, मल्टीप्लेक्स, बैंक्वेट हॉल, ऑडिटोरियम, स्विमिंग पूल, स्कूल, कॉलेज, स्पा और अम्यूजमेंट पार्क को खोलने की अनुमति नहीं है।मालूम हो कि दिल्ली में निजी दफ्तर 50 फीसदी क्षमता के साथ सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक काम कर रहे हैं।

बाजार, मॉल और मार्केट कॉम्प्लेक्स में सारी दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक खुल रही हैं। रेस्टोरेंट 50 फीसदी बैठने की क्षमता पर काम कर रहे हैं।सरकार दफ्तर में ग्रुप ए के कर्मचारी 100 प्रतिशत उपस्थिति के साथ और अन्य कर्मचारियों को 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ आने की अनुमति है। पुलिस विभाग और अस्पताल जैसी जरूरी सेवाओं में लगे कर्मचारियों को 100 प्रतिशत उपस्थिति की अनुमति है। 50 फीसदी क्षमता के साथ मेट्रो और बसों में यात्री सफर कर रहे हैं।

फिल्मों पर यह कैसा पहरा?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने सिनेमेटोग्रफी (संशोधन) विधेयक, 2021 का मसौदा पेश किया है,

जिसे लेकर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया है। सरकार का दावा है कि इस विधेयक से पाइरेसी रुकेगी, जबकि फिल्म इंडस्ट्री का कहना है कि अगर यह विधेयक कानून बना तो इस देश में लोग क्या देखेंगे और क्या नहीं, यह सरकार ही तय करेगी। संशोधन विधेयक के मसौदे की जिस शर्त को लेकर (सेक्शन 6) सबसे अधिक विवाद है, वह कहती है कि किसी भी आने वाली फिल्म पर सरकार का फैसला अंतिम होगा, भले ही उसे पहले सेंसर बोर्ड या अपीलेट ट्रिब्यूनल से मंजूरी मिल चुकी हो। यह भी बताते चलें कि अपीलेट ट्रिब्यूनल को भंग किया जा चुका है और इस विधेयक के कानून बनने से सेंसर बोर्ड भी बस नाम का ही रह जाएगा। यूं भी सरकारें सेंसर बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां करती

आई हैं और उसके जरिये फिल्मों के कंटेंट को नियंत्रित करने की कोशिशें होती आई हैं। सिनेमेटोग्रफी (संशोधन) विधेयक, 2021 के जरिये सरकार उससे भी आगे जाकर फिल्म बनाने वालों की आजादी पर अंकुश लगाना चाहती है। इतना ही नहीं, सेक्शन 6 सरकार को यह अधिकार भी देता है कि वह 'जनहित' में कोई जानकारी या सूचना रोकने का भी फैसला कर सकती है।

दिलचस्प बात यह है कि इस प्रोविजन को सुप्रीम कोर्ट साल 2000 में एक केस में असंवैधानिक घोषित कर चुका है। अदालत ने तब कहा था कि अगर ट्रिब्यूनल जैसी किसी अर्ध-न्यायिक संस्था ने कोई फैसला लिया है तो उसमें संशोधन या उसे बदलने की इजाजत सरकार को नहीं दी जा सकती। हैरानी की बात है कि इसके बावजूद इस सेक्शन को विधेयक में शामिल किया गया है।

इसके लिए यह तर्क दिया जा रहा है कि कई बार किसी फिल्म को मंजूरी देने में तय दिशानिर्देशों यानी सेक्शन 5बी के उल्लंघन की शिकायत मिलती है। प्रस्तावित विधेयक के कानून बनने पर सरकार उस फिल्म की फिर से समीक्षा का निर्देश दे सकती है।

सरकार का इशारा यहां फिल्म से कानून-व्यवस्था के प्रभावित होने को लेकर है, लेकिन शीर्ष अदालत इसे भी पहले खारिज कर चुकी है।

कई मामलों में उसका मानना रहा है कि प्रदर्शन की धमकी या हिंसा के डर के कारण फिल्म सर्टिफिकेशन में दखल देना ठीक नहीं है। यह कानून-व्यवस्था की समस्या है और सरकार को इससे वैसे ही निपटना चाहिए।

यूं भी इस तरह की बंदिशें भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए मुनासिब नहीं हैं।

सवाल जवाबदेही का

किरीट ए. चावड़ा

केरल विधानसभा से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह देखना मंजूर कर लिया है कि जनप्रतिनिधियों की सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत कोई जिम्मेदारी बनती है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट का यह ऑब्जर्वेशन विधायिका के कामकाज के दौरान जनप्रतिनिधियों के अशोभनीय व्यवहार की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विधायिका और न्यायपालिका के अधिकारों में टकराव से जुड़े पहलुओं की वजह से कानून के जानकारों की नजरें भी इस केस पर टिकी हुई हैं। मामला 2015 का है, जब केरल में कांग्रेस की ओमन चांडी सरकार के वित्त मंत्री विधानसभा में राज्य का बजट पेश कर रहे थे। तत्कालीन विपक्ष के सदस्य विरोधस्वरूप सदन में हंगामा कर रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान सीपीआई विधायक के. अजित ने माइक फेंका और सदन का फर्नीचर भी तोड़ा। विधानसभा सचिव का आकलन था कि उस दिन तोड़फोड़ के दौरान 2.20 लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति निवारण कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज की। इसी बीच प्रदेश में कांग्रेस की जगह लेफ्ट फ्रंट की सरकार बन

गई और उसने इस मामले को वापस लेने का प्रयास शुरू कर दिया। मगर पहले ट्रायल कोर्ट ने और फिर केरल हाईकोर्ट ने उसकी अर्जी ठुकरा दी, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा। कई विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला विधानसभा के अंदर का है और इसलिए स्पीकर को तय करना चाहिए। विधानसभा के अंदर की कार्यवाही के दौरान सदस्यों का आचरण वैसे भी न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आता। जनप्रतिनिधियों को संविधान के तहत यह छूट मिली हुई है। एक तकनीकी सवाल यह भी है कि चूंकि विधानसभा का सत्र चल रहा था, इसलिए उससे जुड़े मामले में प्राथमिकी दर्ज होने से पहले स्पीकर की इजाजत ली जानी चाहिए थी, जो इस मामले में नहीं ली गई। मगर सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए इस मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। उसने कहा कि न केवल विधानसभाओं में बल्कि संसद में भी ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आखिर जनप्रतिनिधि ऐसे व्यवहार से क्या संदेश देना चाहते हैं? मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होने वाली है। इस पर तो सबकी नजर रहेगी ही कि सर्वोच्च अदालत इस मामले में क्या फैसला करती है, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि हर अधिकार या विशेषाधिकार के साथ कुछ जिम्मेदारियां जुड़ी होती हैं और जनप्रतिनिधियों की तरफ से उस जिम्मेदारी का निर्वाह करने में हाल के वर्षों में काफी लापरवाही देखी गई है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो सुप्रीम कोर्ट के इस दखल की जमीन तैयार करने का काम खुद जनप्रतिनिधियों ने किया है। आखिर विधायिका के अधिकारों की दुहाई देकर अपनी गैरजिम्मेदारी को कब तक छुपाए रखा जा सकता है।

आपके वहां शैतान आएगा तो उसके साथ भी खाऊंगा

जिगर डी वाढेर

एक दिन सवेरे मेरे घर पर टेलीफोन की घंटी बजी। उधर से पूछा गया, 'चंद्रशेखर हैं?' मैंने कहा, 'बोल रहा हूं।' उधर से कहा गया, 'मैं अतुल्य बोल रहा हूं।' मैंने पूछा, 'कौन अतुल्य?' उन्होंने कहा, 'अरे चंद्रशेखर, मैं अतुल्य घोष बोल रहा हूं।' उस समय मैं सोच ही नहीं सकता था कि इतनी सुबह वह फोन कर सकते हैं। मैंने कहा, 'दादा, आप इतने सवेरे?' उन्होंने कहा, 'मैं तुम्हें खाने पर बुलाना चाहता हूं। आओगे?' मैंने कहा, 'दादा, आप खाने पर बुलाएंगे और मैं न आऊं, यह धृष्टता कैसे कर सकता हूं? यह तो मेरे लिए बड़े सम्मान की बात होगी।' उन्होंने पूछा, 'और किसको बुलाएं?' मैंने कहा, 'जिसको आप चाहें, उसे बुलाइए।' उन्होंने कहा, 'अरे भाई तुम लोग सोशलिस्ट हो, पता नहीं किसका नाम ऐसा आ जाए कि तुम नाराज हो जाओ और न आओ।' मैंने कहा, 'आपके वहां शैतान आएगा, तो उसके साथ भी मैं खाना खाऊंगा।' वह हंसने लगे। मैं वहां पहुंचा तो मेरे अतिरिक्त वहां एक ही मेहमान थीं, तारकेश्वरी सिन्हा। उनके अलावा एक अन्य व्यक्ति थे, जो भोजन का प्रबंध कर रहे थे, उनका नाम था साहू। उन्हें बाद में लाल बहादुर शास्त्री जी ने केंद्र में उपमंत्री बना दिया था। अतुल्य घोष बहुत ही दूरदृष्टि के आदमी थे। काफी पढ़े-लिखे। मार्क्स, एंगेल्स और द्वंद्वात्मक भौतिकवाद के वह जानकार थे।

उन्होंने देर तक मुझे बताया कि मैं जो अभियान चला रहा हूं, उससे कितना नुकसान होने वाला है। उन्होंने कहा कि मेरे इस प्रयास से कांग्रेस टूट जाएगी। मैंने कहा, 'मेरी वजह से कांग्रेस क्या टूटेगी, मेरी क्या हैसियत है?' दादा ने कहा, 'तुम नहीं जानते कि कांग्रेस में तुम्हारी क्या हैसियत है? वैसे जो लोग तुम्हारा विरोध कर रहे हैं, वे गलत कर रहे हैं।' 'ए दाढ़ीवाला, इधर आ' इसी समय तारकेश्वरी सिन्हा आ गईं तो उन्होंने उनसे कहा कि देखो, चंद्रशेखर का विरोध कर रही हो, इसकी क्षमता कितनी है, यह भी जानती हो? पूरे एक घंटे तक मुझे उन्होंने मार्क्सवाद पर भाषण दिया। तारकेश्वरी जी को भी समझाया। वह उन दिनों मेरे विरुद्ध 'करंट' साप्ताहिक में लेख लिख रही थीं। उन्होंने सात-आठ लेख लिखे, मैंने कोई उत्तर नहीं दिया। उन दिनों 'करंट' और 'ब्लिट्ज' में होड़ चलती थी।

ब्लिट्ज के प्रतिनिधि और मेरे घनिष्ठ मित्र राघवन के सहयोग से मैंने भी तारकेश्वरी जी के विरुद्ध कुछ कागज एकत्र कर रखे थे। राघवन उसे प्रकाशित करना चाहते थे, लेकिन मैंने उन्हें मना कर दिया। बाद में तारकेश्वरी जी को इसकी जानकारी हो गई थी। बहुत दिनों के बाद यह बात उन्होंने मुझे बताई। इसके लिए मेरी प्रशंसा भी की। मैंने उनसे इतना ही कहा कि मैं विरोध मोरारजी भाई का कर रहा था, वह भी मजबूरी में। उन्होंने मुझे इसके लिए विवश कर दिया, अपने सम्मान की रक्षा के लिए। मैंने कहा, 'आपसे मेरा कोई विवाद ही नहीं था। आप अपना कर्तव्य पालन कर रही थीं, फिर आपसे क्या नाराजगी हो सकती थी। यदि आप अति कर देतीं, तो शायद आत्मरक्षार्थ मैं भी कुछ करता।' उन्हीं दिनों कृपलानी जी ने एक दिन सेंट्रल हॉल में मुझे बुलाकर कहा, 'ए दाढ़ीवाला, इधर आ।' मैं उनके पास गया और बोला, 'कहिए दादा, क्या हुक्म है?' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को सुधारने की कोशिश मत कर। कृपलानी ने बड़ी कोशिश की, पर नहीं सुधार पाया। ज्यादा कोशिश की तो कांग्रेस टूट जाएगी और इससे बड़ा नुकसान होगा।' मैंने कहा, 'दादा, मेरी वजह से क्यों टूटेगी कांग्रेस?' दादा बोले, 'तुम्हें आगाह कर रहा हूं। तुम्हें आगाह करना मेरा कर्तव्य है। वैसे कांग्रेस टूटेगी, तो देश का बुरा होगा'' कांग्रेस आखिरकार टूट गई। उसके बाद एक बार कृपलानी जी फिर सेंट्रल हॉल में मिले। कहने लगे, 'दाढ़ीवाला, यहां आ। मेरी बात नहीं मानी। पार्टी टूट गई न?

बुरा हुआ।'

बंबई में फिएट का सफर

मुझे याद है, जब कांग्रेस टूटी थी, हमारा पहला सम्मेलन बंबई में हुआ था। बंबई एयरपोर्ट पर उतरा तो कमल मोरारका एक पुरानी फिएट में आए और मुझसे कहा, 'आपको छोड़ दूंगा।'

उनके पास एक पुरानी फिएट गाड़ी थी, जो असल में नाथ पाई के निधन के बाद उनकी पत्नी ने राधेश्याम मोरारका को बेच दी थी। उस विदेशी फिएट की हालत काफी खराब हो चुकी थी। कमल ड्राइविंग कर रहे थे। सारा दिन मैं बंबई में घूमता रहा। शाम को तीन-चार बजे बिड़ला क्रीड़ा केंद्र में नौजवानों की एक मीटिंग थी। वहां पहुंचा तो लड़कों ने मुझे घेर लिया और कहा कि आप विदेशी कार में कैसे बैठे हैं? यह 1968 की बात है। आज 2002 में लोग पूछते हैं, 'आखिर आप कितने दिन तक अंबेसडर में चलेंगे?' 1971 में 'गरीबी हटाओ' का नारा बेशक कांग्रेस ने दिया, लेकिन उसकी शुरुआत काफी पहले ही हो गई थी। बंबई सम्मेलन में नई नीति का दस्तावेज बनाने के लिए एक समिति बनी थी, उसमें पचास-साठ लोग थे। केशव देव मालवीय उसके अध्यक्ष थे, लेकिन असल में उसमें सबसे अधिक काम डॉ. एसपी गोयल और पीएन धर ने किया था। मैं भी उसमें सहयोगी था। इन्हीं तीन लोगों ने उसको अंतिम रूप दिया था। आज भी वह दस्तावेज उतना ही प्रासंगिक है।

1971 के चुनाव में गरीबी हटाओ का नारा लगाया गया। 1971 में जब मैंने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई, तो श्रीमती गांधी ने कहा कि अगर आप चुनाव लड़ने में व्यस्त हो जाएंगे, तो चुनाव प्रचार कौन करेगा? वहां आपकी बड़ी जरूरत है।

कांग्रेस की ओर से उस समय जिन लोगों ने प्रचार किया, उसमें इंदिरा गांधी के बाद देश में सबसे अधिक चुनावी दौरा मैंने ही किया था।

(स्व. चंद्रशेखर की पुस्तक : 'जीवन जैसा जिया' प्रकाशक राजकमल से साभार)

अवैध रिश्तों के शक में औरतों पर बेइंतहा जुल्म

भूपेन्द्र पटेल

पिछले दिनों एक खबर आई कि राजस्थान के प्रतापगढ़ में एक महिला को तीन महीने तक लोहे की सांकलों से बांधकर पीटा जाता रहा। पति और बेटे समेत परिवार के पांच लोगों ने उसे बेड़ियों में जकड़ कर रखा था। उन्हें उसके चरित्र पर शक था,

जिसके चलते उस महिला के साथ उन्होंने ऐसा व्यवहार किया। मां की देखभाल के लिए पीहर जाने को लेकर पति ने उस पर शक किया।

रिश्तों में भरोसे की बुनियाद अब खोखली हो रही है। जीवन भर का साथ कहे जाने वाले रिश्ते में कभी पति का अहम तो कभी वहम औरत का जीना दुश्वार कर देता है। ऐसे ही पिछले दिनों मध्य प्रदेश के धार में बिना बताए रिश्तेदार के यहां जाने के कारण परिजनों ने अपनी दो लड़कियों को सरेआम लाठी-डंडों से जमकर पीटा। इन लड़कियों के पिटने का विडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। अपनों के इस व्यवहार की एक वजह लड़कियों का फोन पर बात करना भी है। यह मामला बताता है कि संदेह भरी सोच पिता-भाई को भी बर्बर बना देती है।

वहमी सोच के चलते मारपीट, हत्या, एसिड अटैक और यहां तक कि ऑनर किलिंग जैसे मामले भी आए दिन अखबारों की सुर्खियां बनते हैं। दुख की बात यह भी है कि शक्की सोच के इस संक्रमण के चलते अशिक्षित घरों में ही नहीं, उच्च शिक्षित परिवारों में भी सजा देने के नाम पर औरतों के साथ बर्बरता के ढेरों वाकए सामने आ चुके हैं। किरदार पर शक भर किए जाने की बदौलत किसी महिला को सजा दिए जाने के फैसले तो बाकायदा पंचायतों में सुनाए गए हैं।

अफसोस है कि महानगरों से लेकर गांवों-कस्बों तक अपनों की शक्की सोच के चलते महिलाओं के सामने कभी स्कूल, नौकरी और कभी-कभी घर तक छोड़ने के हालात बन जाते हैं।

कमोबेश हर उम्र, हर तबके की महिलाएं अपनों के वहम की बेड़ियों में जकड़ी हैं, जबकि सुरक्षा, सम्मान और विश्वास का भाव सबसे ज्यादा घर और अपनों से ही जुड़ा होता है। मगर ऐसे वाकए बताते हैं कि परिवार, जीवनसाथी और समाज की महिलाओं को लेकर जो सोच है, उसके कितने भयावह पहलू हैं। आए दिन सामने आने वाली ऐसी

घटनाओं के चलते साथ, सहयोग और आपसी समझ की सोच हर मोर्चे पर जंजीरों में बंधी दिखती है। बदलाव के नाम पर कुछ बदलता नजर नहीं आता। बंधी-बंधाई मानसिकता का ही तो नतीजा है कि प्रतापगढ़ में महज चरित्र पर शक की वजह से उस महिला को यूं सांकलों में बांधकर पीटा गया और पीटने वालों में उसका बेटा भी शामिल था।

पिछले कुछ वर्षों में सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, अधिकतर मामलों में अवैध संबंधों को लेकर शक किया जाता है। हॉटस्टार के 'आउट ऑफ लव' सर्वे के अनुसार, शादीशुदा जोड़ों में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। सर्वे बताता है कि 45 फीसदी भारतीय गोपनीय तरीके से अपने साथी के फोन की जांच करना चाहते हैं और 55 प्रतिशत पहले ही ऐसा कर चुके हैं। पुरातनपंथी सोच के ताने-बाने के साथ तकनीक ने भी मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बीते साल राजस्थान में एक शख्स ने शक के कारण अपनी पत्नी की जान ले ली। जांच में पता चला कि मृतक पत्नी सोशल मीडिया पर बहुत सक्रिय थी, फेसबुक पर उसके करीब 6 हजार फॉलोअर्स थे। वर्चुअल दुनिया में मौजूदगी के कारण पति अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करने लगा और उसकी हत्या कर दी। संदेही सोच के साथ जुड़े सामंतवादी रवैये का ही परिणाम है कि शक भर होने से किसी महिला को डायन बताकर उसकी जान ले ली जाती है। पुरातन सोच वाले समाज से लेकर प्रोग्रेसिव विचारों के परिवेश तक, स्त्रियों के लिए मुसीबतें बरकरार हैं।

कहने को बीते डेढ़ साल की विपदा ने एक-दूजे का साथ देने का पाठ पढ़ाया है, लेकिन एक औरत का अपनी ही अकेली मां की देखभाल करने जाना भी बेड़ियों में जकड़े जाने जैसी गलती बन गया। बेटियों का फोन पर बात करना लाठी-डंडों से उनकी बर्बर पिटाई की वजह हो गया। वजह संदेह भरी सोच, जिसका इलाज अगर कुछ है तो यह कि पुरुषवादी सोच बदलनी चाहिए।

कोरोना से जीत ली जंग पर, मुंबई में ब्लैक फंगस का नहीं थम रहा कहर

मुंबई, मुंबई में कोरोना से जंग जीतने के बाद लोग म्यूकरमायकोसिस से हार गए। बीएमसी के प्रमुख अस्पतालों में म्यूकरमायकोसिस से ग्रसित 40 ऐसे मरीज थे, जिनकी जिंदगी बचाने के लिए डॉक्टरों को उनकी एक आंख निकालनी पड़ी। इनमें 7 मरीजों की म्यूकरमायकोसिस से जान तो बच गई, लेकिन उन्हें दोनों आंखें गंवानी पड़ीं। ब्लैक फंगस इन 7 मरीजों पर इतना हावी हो गया था कि अगर इनकी आंखें डॉक्टर नहीं निकलते, तो इनकी जान चली जाती। कोरोना से जंग जीते कई मरीज तेजी से म्यूकरमायकोसिस यानी ब्लैक फंगस की चपेट में आने लगे। इन मरीजों के इलाज की व्यवस्था बीएमसी ने अपने प्रमुख अस्पतालों में कई थी।

102 मरीजों की आंखों तक पहुंचा फंगस बीएमसी स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले दो महीनों में म्यूकोरमायकोसिस से पीड़ित 161 मरीज इलाज के लिए भर्ती हुए थे। इनमें से 102 मरीजों की दोनों आंखों तक फंगस पहुंच गया था। इलाज के दौरान 22 मरीजों की एक आंख निकाली गई, जबकि 6 मरीजों को अपनी दोनों आंखे गंवानी पड़ीं। दो महीने में 100 मरीज

केईएम अस्पताल की नेत्र विभाग प्रमुख डॉ. शीला करकर ने बताया कि कोरोना काल में म्यूकरमायकोसिस के ज्यादा मरीज मिले हैं। पहले इस बीमारी का प्रमाण काफी कम था। 10 वर्षों में 15 मरीज म्यूकरमायकोसिस मरीज मिलते थे, लेकिन इस बार तो दो महीने में 100 से अधिक मरीज मिले हैं। सायन अस्पताल की ईएनटी विभाग की प्रमुख डॉ. रेणुका ब्राडो के मुताबिक पिछले एक महीने में सायन अस्पताल में 79 मरीज म्यूकरमायकोसिस के इलाज के लिए भर्ती हुए थे। इसमें से 53 मरीजों पर सर्जरी की गई, जिसमें से 15 मरीजों की एक आंख निकाली गई, जबकि एक मरीज को अपनी दोनों आंखें गंवानी पड़ीं।

मुंबई में एटीएम चोरी का हैदराबाद में अलर्ट, बैंक की सूचना पर मुंबई पुलिस ने पकड़ा एक आरोपी

मुंबई: एटीएम मशीन में फिट अलर्ट सिस्टम ने मुंबई के एक ATM में चोरी की ना सिर्फ कोशिश को नाकाम किया बल्कि रंगे हाथों एक चोर को पकड़वा भी दिया. मुंबई में दिंडोशी के एक एटीएम में रात के अंधेरे में चोरी के इरादे से घुसे इन युवकों को पता भी नहीं चला कि ATM मशीन में लगे सिस्टम ने हैदराबाद में बैंक के कंट्रोल रूम को अलर्ट कर दिया है. नतीजा चोरी करने के पहले ही दिंडोशी पुलिस ने मौके पर पहुँच कर एक को धर दबोचा. दिंडोशी पुलिस के पी आई राजीव चव्हाण के मुताबिक, मॉनिटर और मशीन के बैक साइड में आरोपियों में छेड़छाड़ की थी, उसका इलेक्ट्रॉनिक मैसेज कंपनी के हैदराबाद ऑफिस में गया और हमको अलर्ट किया गया था. हमारी डिटेक्शन की टीम ने वहाँ पहुचकर मौके से एक को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक आरोपियों में से एक एटीएम के बाहर पहरा भी दे रहा था लेकिन इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और कम्युनिकेशन के बेहतरीन तालमेल से ना सिर्फ एक बड़ी चोरी होने से बच गई बल्कि एक आरोपी भी धरा गया. बाकी दो आरोपी भले भागने में कामयाब हो गए. लेकिन गिरफ्तार आरोपी और सीसीटीवी तस्वीर के जरिये पुलिस ने फरार आरोपियों की भी पहचान कर ली है. तीनों ही नामजद अपराधी हैं पुलिस का दावा है जल्द ही वो बाकियों को भी पकड़ लगी.

नारायण राणे ने की बाला साहेब की तारीफ- वह मेरे गुरु थे... उद्धव के चलते छोड़ी शिवसेना

मुंबई, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने एक बार फिर से उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे की वजह से उन्होंने शिवसेना छोड़ी थी। हालांकि राणे ने बाला साहेब को अपना गुरु बताया। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में राणे ने कहा कि मैंने शिवसेना में अपनी जिंदगी के तकरीबन 40 साल गुजारे हैं। बाला साहेब ने मुझे महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया था। आज भी मैंने बीजेपी में कोई पद नहीं मांगा था। मैं पार्टी के लिए काम करता हूँ और पार्टी मेरे बारे में सोचती है। वो फैसला मानूंगा जो बीजेपी करेगी जब राणे से पूछा गया कि अगर शिवसेना और बीजेपी दोबारा साथ आती हैं तो क्या आपको खुशी होगी? इस पर हाज़िर जवाब राणे ने कहा कि मैं हर वो फैसला मानूंगा जो बीजेपी करेगी। राणे से जब यह पूछा गया की आपको पहले मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। क्या इसके जरिये शिवसेना को कोई संदेश देने की कोशिश की गई है? तब उन्होंने कहा कि किसी को संदेश देने का कोई मकसद नहीं है लेकिन अगर किसी को संदेश जा रहा है तो जाने दीजिए। मुझे कैबिनेट में संदेश देने के लिए नहीं रखा गया है। ठाकरे सरकार से नाराज जनता नारायण राणे यह भी कहा कि आने वाले समय में देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी के चुनाव होने हैं। मुंबई और महाराष्ट्र की जनता ठाकरे सरकार से काफी नाराज है। राज्य में किसी भी प्रकार का विकास काम नहीं किया जा रहा है। राणे ने भी कहा कि सरकार की गलतियों पर आवाज उठाना विपक्ष का काम है और हम वही करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की गलतियों को जनता के सामने लाया जाना चाहिए और उस काम को अंजाम दिया जा रहा है।

13 साल की बच्ची से सेक्स शब्द बोलने वाले बस कंडक्टर को एक साल की कैद

मुंबई की एक विशेष अदालत ने 13 साल की बच्ची से 'सेक्स' के बारे में बात करने के आरोप में बस कंडक्टर को एक साल की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी चंद्रकांत सुदाम कोली को POCSO एक्ट की धारा 12 के तहत दोषी पाया और एक साल की सजा के साथ उस पर 15 हजार का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर उसे तीन महीने का कठोर कारावास और भुगतना होगा। बच्ची बस में अकेली थी यह घटना साल 2018 की है। पूर्वी उपनगर में रहने वाली एक बच्ची मुंबई बेस्ट की सरकारी बस से रोज सुबह स्कूल जाती थी और दोपहर तक लौटती थी। जुलाई 2018 में घटना वाले दिन बस में 2 या 3 लोग ही बैठे थे। इस दौरान बस कंडक्टर चंद्रकांत सुदाम कोली उसके पास आया और बगल में बैठ गया। कोली ने बच्ची से पूछा कि क्या वह 'सेक्स' के बारे में कुछ जानती है? जिस पर बच्ची ने कहा कि वह उससे इस तरह के सवाल न पूछे। कंडक्टर कुछ देर के लिए चला गया, लेकिन जब वह बच्ची के पास फिर लौटा और उसने फिर से सेक्स पर सवाल किया। बच्ची ने फिर उससे इस तरह के सवाल न पूछने के लिए कहा और जैसे ही उसका बस स्टॉप आया, वह बस से उतर गई। कुछ दिनों बाद जब लड़की ने बस से स्कूल जाने से मना कर दिया तो पीड़िता की मां ने उससे पूछा, लेकिन उसने इसकी जानकारी नहीं दी। मां ने पीड़िता के दोस्त से पूछा तो उसने इसकी जानकारी दी, जिसके बाद मां बच्ची को बस डिपो ले गई और उसने आरोपी कोली की पहचान की। इसके बाद मां ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया। इसके बाद पुलिस ने अगले दिन आरोपी को अरेस्ट कर लिया था।

मल्टि-ट्रांसपोर्ट हब बनेगा सीएसएमटी स्टेशन, हार्बर लाइन को सैंट जॉर्ज हॉस्पिटल तक लाने की भी तैयारी

मुंबई, किसी जमाने में जिस स्टेशन से भारतीय रेलवे के सफर की शुरुआत हुई थी, वहीं सीएसएमटी स्टेशन भविष्य में शहर का सबसे बड़ा इंटरकनेक्टिंग हब बनने जा रहा है। स्टेशन से निकलती ही बेस्ट की बसें तैयार रहेंगी, तो मेट्रो 3 और मेट्रो 11 तक पहुंचने के लिए भी ज्यादा पसीना नहीं बहाना होगा। सीएसएमटी स्टेशन से ही मेट्रो हों या बसें सीधी कनेक्टिविटी देने की योजना चल रही है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार अपनी रेलवे जमीन का भरपूर इस्तेमाल कर पीपीपी मॉडल से पैसा जमा करना चाहती है। मुंबई में मध्य रेलवे के पास कई स्थानों पर जमीन है, जिन्हें प्राइवेट कंपनियों को लीज पर दिया जाएगा। इन जमीनों पर होटल, हॉस्पिटल या हॉस्टल से लेकर हाउसिंग सोसायटी बनाई जाएगी। निवेशकों की बेहतरी के लिए इन स्थानों को बेहतर कनेक्टिविटी दी जाएगी। सीएसएमटी पर भी इसी संकल्पना के तहत काम हो रहा है। यहां कमर्शल और रेजिडेंशल 2.54 लाख वर्ग फुट के क्षेत्रफल में किया जाएगा। इसके लिए ₹1642 खर्च होंगे। इसके लिए रेलवे और राज्य सरकार के बीच कुछ ही दिनों में हाइ पावर कमिटी की मीटिंग होगी। हार्बर लाइन का फास्ट कॉरिडोर कई सालों से मुंबई में उपनगरीय ट्रेनों का विस्तार तो हो रहा है, लेकिन हार्बर लाइन पर अभी भी फास्ट ट्रेनें नहीं चलती हैं। इसका मुख्य कारण है जगह की कमी। बहरहाल इस समस्या का हल रेलवे ने ढूंढा है कि ट्रेनों को ऐलिवेटेड बनाया जाए। इसके लिए पनवेल सीएसएमटी कॉरिडोर की संकल्पना की थी। रेलवे के अनुसार अब इस लाइन को सेंट जॉर्ज हॉस्पिटल तक

लाया जाएगा। ये कर्नाक बंदर में टर्मिनेट होंगी। रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार रेलवे लाइन सड़क से करीब 16 मीटर ऊपर होगी। रेलवे लाइन से साथ ही ईस्टर्न फ्री-वे को भी जीपीओ तक लाया जाएगा। विस्तार के लिए होगी चर्चा रेलवे के अनुसार राज्य सरकार और विभिन्न एजेंसियों से जो चर्चा होने है उसमें हार्बर लाइन और फ्री-वे को जीपीओ तक लाने पर बात होनी है। इसमें मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की जमीन, पनवेल सीएसएमटी लाइन का विस्तार, पांचवीं छठी लाइन का विस्तार, लंबी दूरी की ट्रेनों को अलग करने की योजना, प्रभावित लोगों के पुनर्वास, सीएसएमटी को मेट्रो स्टेशनों से कनेक्ट करने की योजना इत्यादि पर चर्चा की जाएगी। जिन योजनाओं पर बात आगे बढ़ेगी, उनका काम भी शुरू किया जाएगा।

शराब के लिए पैसे नहीं मिले तो मां की हत्या कर निकाले अंग, मिली मौत की सजा

महाराष्ट्र के कोल्हापुर की एक अदालत ने मां की बर्बरतापूर्वक हत्या के मामले में एक व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश जाधव ने इसे दुर्लभतम मामला बताया और 35 वर्षीय सुनील कुचिकोरवी को मृत्युदंड सुनाया। मामले के अनुसार सुनील ने अपनी 62 वर्षीय मां की हत्या की और उनके शव को चीरकर सारे अंग निकाल लिए। आरोपी पकड़ा गया तो उसकी मां के अंग रसोई में नमक, तेल और मिर्च पाउडर लगे हुए पाए गए थे और उसके मुंह में खून था। पुलिस को अंदेशा था कि उसने मां की हत्या के बाद उसके शरीर को काटपीट दिया बल्कि उसका खून भी पिया। उसके नरभक्षी होने का संदेह जताया गया। सरकारी वकील विवेक शुक्ला ने बताया कि घटना 28 अगस्त 2017 को कोल्हापुर शहर के मकड़वाला वसाहाट में हुई थी। कुचिकोरवी शराब पीने का आदी था। घटना वाले दिन उसने अपनी मां से शराब खरीदने के लिए कुछ पैसे मांगे थे और जब मां ने मना किया तो उसने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी ने उसके शरीर के दाहिने हिस्से को चीर दिया और दिल, किडनी, आंतों और अन्य अंगों को निकाल कर किचन के प्लेटफॉर्म पर रख दिया। शुक्ला ने बताया कि कम से कम 12 गवाहों से पूछताछ की गई। वारदात के समय मौके पर कोई मौजूद नहीं था इस वदह से मामले में कोई चश्मदीद गवाह नहीं था। कोर्ट ने परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर कुचिकोरवी को दोषी करार दिया। अदालत ने मामले को दुर्लभतम मानते हुए उसे मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सुनील का कृत्य मानवता को शर्मसार करने वाला है। उसने उसी मां की हत्या कर दी जिसकी वजह से वो दुनिया में आया। उसकी मानसिक स्थिति इतनी ज्यादा विकृत थी कि उसने मां के शरीर को काटा। शरीर के अंग निकाले और उन्हें सहेज कर रख दिया। अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाते हुए कहा कि उसका ये कृत्य रेयर ऑफ रेयरेस्ट है। इसे अनदेखा नहीं किया जा सकता।",

...तो अब सचिन वझे खोलेगा अनिल देशमुख के राज? ईडी को मिली पूछताछ की इजाजत

मुंबई, राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बर्खास्त पुलिस निरीक्षक सचिन वझे से पूछताछ करेगी। इस मामले में पूछताछ के लिए गुरुवार को विशेष एनआईए अदालत ने ईडी को पूछताछ करने की अनुमति दे दी। एनआईए ने वझे को एंटीलिया के पास एक कार में विस्फोटक मिलने और उसके बाद व्यवसायी मनसुख हिरन की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया था। वझे अब न्यायिक हिरासत में है। बचाव पक्ष के एक वकील ने बताया कि ईडी को तलोजा जेल में

वझे से तीन दिनों तक पूछताछ करने की अनुमति दी गई है। ईडी ने देशमुख के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब तक उनके दो सहयोगी रहे संजीव पलांडे और कुंदन शिंदे को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय एजेंसी ने दावा किया कि गिरफ्तार किए गए इन दोनों लोगों ने कबूल किया कि वझे ने मुंबई में ऑर्केस्ट्रा बार मालिकों से 4.70 करोड़ रुपये एकत्र किए थे और इसे दो किश्तों में शिंदे को सौंपा था। बता दें कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह को वझे की गिरफ्तारी के बाद आयुक्त के पद से हटा दिया गया था। इसके बाद परमबीर ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में आरोप लगाया था कि देशमुख ने राज्य के गृह मंत्री रहते हुए वझे को मुंबई के बार और रेस्तरां से हर महीने 100 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही करने का निर्देश दिया था।

सुधा भारद्वाज की जमानत याचिका पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने पुणे ट्रायल कोर्ट के रेकॉर्ड किए तलब

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में सुनवाई कर रही पुणे की ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही का 2018 से रेकॉर्ड तलब किया है। इस मामले में आरोपी सुधा भारद्वाज ने कोर्ट के न्याय क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए याचिका दायर डिफाल्ट जमानत मांगी है। सुधा ने अपने वकील के जरिए हाई कोर्ट को बताया कि 2018 में उनकी गिरफ्तारी के बाद जिस न्यायाधीश ने उन्हें हिरासत में भेज दिया था उन्होंने एक विशेष न्यायाधीश होने का दिखावा किया था और उनके द्वारा जारी किए गए आदेश के कारण उन्हें और अन्य आरोपियों को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा। दी गई अंतिम दलीलें

सुधा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील युग चौधरी ने न्यायमूर्ति एस.एस. शिंदे और न्यायमूर्ति एन.जे. जामदार की पीठ के समक्ष याचिका पर अंतिम दलीलें दीं। इस मामले में एनआईए ने हाई कोर्ट में दाखिल एक हलफनामे में सुधा की जमानत याचिका को खारिज करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह एक के बाद एक जमानत अर्जी दाखिल करने की होड़ में हैं। एनआईए ने कहा कि सुधा की याचिका विचार योग्य नहीं है और उन पर इसके लिए जुर्माना लगाने का अनुरोध किया। चौधरी ने पीठ को बताया कि पुणे में एक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के.डी. वडाने ने सुधा और आठ अन्य कार्यकर्ताओं को 2018 में पुणे पुलिस की हिरासत में भेज दिया था। वडाने ने बाद में मामले में आरोपपत्र दाखिल करने के लिए पुणे पुलिस को समय का विस्तार देते हुए आरोपपत्र का संज्ञान लिया और अक्टूबर 2018 में भारद्वाज और तीन अन्य सह-आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया।

सरकारी लेवल बना ऑटो रिक्शा चालकों की परेशानी का सबब

इस मामले पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अविनाश ढाकने से लगातार संपर्क किया गया। मैसेज किए गए, लेकिन कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ।

मुंबई, महाराष्ट्र में लॉकडाउन से प्रतिबंध हटाने के लिए सरकार द्वारा लेवल तय किए गए थे। किसी भी शहर या जिले में कोरोना के सक्रिय मामलों, अस्पताल में मौजूद ऑक्सिजन बेड की उपलब्धता के आधार पर लेवल तय किए जाते हैं। लेवल 5 में सबसे कड़े प्रतिबंध होते हैं, जबकि लेवल 1 में लॉकडाउन हट जाने जैसी स्थिति होती है। मुंबई फिलहाल लेवल 3 में है। इस स्थिति में सार्वजनिक परिवहन में शत प्रतिशत यात्रियों की क्षमता से चलाने की अनुमति दी गई है। बेस्ट और राज्य परिवहन की बसों में ये स्थिति लागू भी हो गई, लेकिन परेशानी है ऑटो टैक्सी या ऐप बेस्ड टैक्सी सर्विस की जहां, अभी भी पुरानी शर्तें लागू हैं। मुंबई में फिलहाल ऑटो हों या टैक्सी दो यात्रियों से ज्यादा लोगों को अनुमति नहीं दी जा रही है। ये बात और है कि कई ऑटो टैक्सी वाले रिस्क लेकर रिक्शा चला रहे हैं। रिस्क का मतलब है तीन यात्रियों को बिठाकर पुलिस की नजरों से

बचते हुए रिक्शा चलाना। मालाड में रिक्शा चलाने वाले संतोष कुम्हारे ने बताया कि स्टेशन से दूसरी जगहों पर जाने के लिए शेयर ऑटो चल रहे हैं। लेकिन दो से ज्यादा यात्री नहीं बैठा सकते हैं। कई बार इस बात को लेकर बहस भी होती है।

फैमिली को होती है परेशानी

दक्षिण मुंबई में टैक्सी चलाने वाले विजय पलांडे बताते हैं कि कई बार ऐसी स्थिति होती है, जिसमें औरत आदमी और साथ में उनके बच्चे होते हैं, लेकिन आरटीओ वाले या ट्रैफिक पुलिस वाले रसीद बना देते हैं। इस डर से सवारी छोड़नी पड़ती है। यात्री लेवल 3 वगेरह बताते हैं, लेकिन यहां कुछ भी नहीं बदला। पुलिस वाले अभी भी दो से ज्यादा सवारी को नहीं बैठने देते हैं।

ऐप बेस्ड टैक्सी की मुसीबत

देशभर में नामी ऐप बेस्ड टैक्सी सर्विस वालों का सॉफ्टवेयर एक ही होता है।

इसलिए इनकी सर्विस लेने पर हमेशा 4 यात्री बताते हैं, लेकिन स्थानीय नियमों के कारण ड्राइवर 2 से ज्यादा सवारी को अनुमति नहीं देते हैं। एक ड्राइवर ने बताया कि एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशनों पर बाहर से यात्री आते हैं, उनसे हमेशा संख्या को लेकर बहस होती रहती है। यात्री बताते हैं कि उनके शहरों में चार यात्री चलते हैं, लेकिन मुंबई में बहस होती है। इस मामले पर ट्रांसपोर्ट कमिश्नर अविनाश ढाकने से लगातार संपर्क किया गया। मैसेज किए गए, लेकिन कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ।

जानें क्या होता है ब्रेन फॉग, कोरोना संक्रमण से ठीक हुए ज्यादातर लोग बन रहे शिकार

मनोज जोशी

कोरोना संक्रमण के कई खतरे मालूम हैं लेकिन वैज्ञानिक अध्ययनों में इसके कई नए खतरे सामने आ रहे हैं। प्रतिष्ठित पत्रिका नेचर में प्रकाशित एक शोध रिपोर्ट के अनुसार, कोरोना मस्तिष्क को भी प्रभावित कर रहा है। यह पाया गया है कि इससे ब्रेन फॉग (स्मृति लोप से जुड़ी बीमारी) तथा मस्तिष्क की कोशिशओं को रक्त संचार में बाधा से हल्के दौरों का खतरा हो सकता है। रिपोर्ट में येल यूनिवर्सिटी के तंत्रिका विज्ञानी सेरिन स्पुडिच के हवाले से कहा गया है कि कोरोना के गंभीर संक्रमण से ठीक हुए 80 फीसदी लोगों में मस्तिष्क रोगों के लक्षण दिखे। इनमें प्रमुख रूप से स्मृति लोप और हल्के दौरों के लक्षण पाए गए हैं। जबकि कई मामलों में यह देखा गया है कि संक्रमण से मस्तिष्क की कोशिकाओं को

रक्त का संचार सही रूप से नहीं हो रहा है। यह भी अंतत मृत्यु या दौरों का कारण बन सकता है। रोगियों के मस्तिष्क की जांच रिपोर्ट में सेरेब्रल कारटेक्स से एक ग्रे सामग्री में कमी पाई गई। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के अध्ययन के अनुसार, कोरोना वायरस मस्तिष्क की एस्ट्रोसाइटस कोशिकाओं को भी क्षति पहुंचा रहा है। यह कोशिकाएं कई कार्य करती हैं तथा मोटे तौर पर इनका कार्य मस्तिष्क के कामकाज को सुचारू रखना होता है। रिपोर्ट में ब्राजील के एक अध्ययन का जिक्र किया गया है, जिसमें कोरोना से मरने वाले 26 लोगों के मस्तिष्क की जांच की गई। इनमें से 5 के मस्तिष्क में संक्रमण पाया गया। यह देखा गया है कि इन लोगों की 66 फीसदी एस्ट्रोसाइट्स कोशिकाएं संक्रमित हो चुकी थीं। क्या होता है ब्रेन फॉग रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले ज्यादातर लोगों में ब्रेन फॉग की समस्या देखी गई है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें याद करने की क्षमता घटती है। दूसरे रोगी में थकान के साथ-साथ मानसिक अवसाद के लक्षण भी हो सकते हैं। हल्के दौरों का कारण इसी प्रकार यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के शोधकर्ताओं का दावा है कि कोरोना संक्रमण के कारण मस्तिष्क कोशिकाओं को रक्त की आपूर्ति नहीं होने के कारण पेरीसाइट्स कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो रही हैं। ये नष्ट भी हो जाती हैं। यह हल्के दौरों का कारण भी बन सकता है। शुरुआती अध्ययन के दावे खारिज शुरू के अध्ययनों में दावा किया गया था कि कोरोना वायरस ब्रेन में प्रवेश कर सकता है। लेकिन नए शोध बताते हैं कि मस्तिष्क के बचाव तंत्र के चलते यह संभव नहीं है। लेकिन संक्रमण से परोक्ष रूप से मस्तिष्क की क्रिया प्रभावित हो रही है।

क्या आप भी अपने बच्चों को दे रहे हैं रेडिमेड फूड? इस स्टडी से उड़ जाएंगे आपके होश

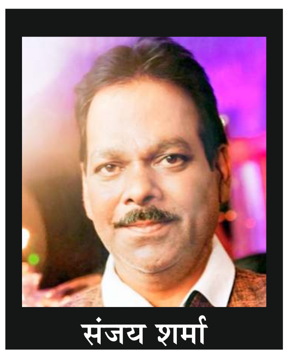

संजय शर्मा

बच्चों के लिए बाजार में उपलब्ध अनाज युक्त रेडिमेड भोज्य पदार्थ उनकी सेहत के लिए नुकसानदायक है। एक वैज्ञानिक अध्ययन के जरिए इस चौंकाने वाली जानकारी का पता लगा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन उत्पादों में मानक से बहुत ज्यादा चीनी होती है जो बच्चों में दिल के रोगों का खतरा बढ़ा रही है।

92 फीसदी अनाज उत्पादों में चीनी लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बच्चों के लिए बाजार में उपलब्ध खाद्य उत्पादों की शुद्धता का अध्ययन किया। इसके जरिए पता लगा कि बच्चों को खिलाये जाने वाले रेडिमेड अनाज उत्पादों (सिरीअल्ज) में 92 प्रतिशत उत्पादों में बहुत अधिक चीनी होती है। वैज्ञानिक जांच में पाया गया कि कुछ लोकप्रिय उत्पादों में इतनी ज्यादा चीनी थी कि उन्हें लंबे समय तक खाने से बच्चे मोटे हो जाएंगे या उनको डायबिटीज हो सकती है। पांच बिस्कुट के बराबर चीनी कुछ ब्रांडों के 30 ग्राम सामग्री में 12 ग्राम चीनी मिली पायी गई जो कि नाश्ते में पांच बिस्कुट खाने के बराबर है। या फिर कहा जा सकता है कि एक

कटोरी रेडिमेड अनाज में तीन चम्मच चीनी डाल दी हो। शोधकर्ताओं ने कहा कि इन उत्पादों को जल्द से जल्द बच्चों के भोज्य पदार्थों से हटा देना चाहिए। चॉकलेट फ्लेवर वाले और ज्यादा खतरनाक रिपोर्ट में पाया गया कि बच्चों के भोजन के जो रेडिमेड उत्पाद चॉकलेट वाले स्वाद में बनाए गए हैं, उनमें प्रति कटोरी 8.7 ग्राम चीनी डाली गई है। साथ ही, 60 प्रतिशत उत्पादों में मध्यम या उच्च स्तर का नमक भी शामिल है। साथ ही इनमें जरूरी फाइबर की मात्रा कम है। अमीर देशों में बच्चे मां के दूध से महरूम लांसेट में प्रकाशित अध्ययन से पता लगा कि दुनिया के समृद्ध देशों में 38.4 प्रतिशत बच्चों को ही ही छह महीने तक मां का दूध पिलाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के हिसाब से छह महीने तक बच्चों को सिर्फ मां का दूध देना चाहिए पर उच्च-मध्यय आय वाले देशों में एक-तिहाई से कुछ अधिक बच्चों को ही इस उम्र तक मां का दूध मिल रहा है जो चिंताजनक है। दूसरी ओर, कम व मध्यम आय वाले देशों में 47.4 प्रतिशत बच्चों को छह महीने तक मां का दूध पिलाया जा रहा है। यह अध्ययन 57 देशों में 2010 से 2018 के दौरान किया गया।

विदेशी यात्रियों के लिए दुबई बना सुरक्षित पर्यटन स्थल, सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

कोरोना काल के कारण पिछले साल से लोग घरों में बंद थे। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर प्रतिबंध लग गया था। लेकिन कोरोना का कहर जैसे ही कम होना शुरू हुआ वैसे ही लोगों की घूमने की प्लानिंग चालू हो गई। बीते दिनों यात्रियों से भरा मनाली खबरों में बना था, हालांकि अब दुबई भी चर्चा में है। दुबई की सेर करने पहुंचे सैलानियों के हैरान कर देने वाल आंकड़े सामने आए हैं। दुबई हर किसी की पसंदीदा जगह में से एक है। ऐसे में ये आंकड़ा बताता है कि जुलाई 2020 से मई 2021 के बीच 3.70 करोड़ विदेशी यात्री दुबई घूमने के लिए पहुंचे। दुबई पर्यटन विभाग की माने तो दुबई की सीमा विदेशियों के लिए खोले हुए 1 साल हो गया है। बताए गए डाटा में जुलाई से दिसंबर 2020 के बीच करीब 1.7 करोड़ विदेशी सैलानी यहां घूमने पहुंचे थे। वहीं इस साल जनवरी से मई के महीने में करीब 2 करोड़ यात्री दुबई पहुंचे। इन आंकड़ो से एक बात साफ होती है कि जहां और देशों में महामारी का विकराल रूप देखने को मिला वहीं दुबई ने इस चैलेंज को बेहतर तरीके से काम किया।

शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मखतूम और दुबई क्राउन प्रिंस और एग्जेक्यूटिव काउंसिल ऑफ दुबई के चेयरमेंन ने एक बयान जारी कर कहा है कि कोरोना काल के दौरान यहां पर आयोजित एक्सपो 2020 में कोविड प्रोटोकॉल के नए मानक स्थापित किए गए हैं। इससे यहां पर आने वाले सैलानियों को सुरक्षा का अहसास हुआ बल्कि इसने पूरी दुनिया में एक मील का पत्थर भी स्थापित किया। कोरोना के चलते जहां दुनियाभर में कई होटल बंद हुए हैं, तो वहीं दुबई में होटलों की संख्या में इजाफा देखने को मिला। दुबई में कुल 591 होटल हैं लेकिन मई में यहां होटलों में इजाफा हुआ है और अब इनकी संख्या बढ़कर 715 हो गई है।

दुबई की एक होटल मैनेजमेंट एनालिटिकल फर्म एसटीआर का कहना है कि दिसंबर 2020 के दौरान दुबई में करीब 69 फीसदी होटल भरे हुए थे। वहीं जनवरी 2021 में ये करीब 66 फीसदी तक भरे हुए थे।

बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए उनकी डाइट में शामिल करें ये 5 फूड, जल्द होगा फायदा

बच्चे की लंबाई कभी हद तक उसके जीन्स, खेलने-कूदने की उसकी रुचि तो कुछ उसकी खान-पान की आदतों पर भी निर्भर करती है। इनमें से एक चीज की कमी भी हो जाए तो बच्चे के शरीर का विकास अच्छी तरह से नहीं हो पाता है। लेकिन पोषक तत्वों का सेवन शरीर के विकास को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है। हालांकि, शरीर की ऊंचाई बढ़ाने और सभी स्वस्थ पोषक तत्वों को खाने की प्रमुख उम्र तब होती है जब आप छोटे होते हैं। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, व्यक्ति की ऊंचाई मुश्किल से बढ़ती है। ऐसे में आइए जानते हैं कुछ ऐसे फूड्स के बारे में जो बच्चों के शरीर के टिश्यूज की मरम्मत के साथ इम्यून सिस्टम में सुधार करके उनके शरीर को उसकी पूर्ण संभावित वृद्धि तक पहुंचने में मदद करते हैं।

बीन्स

बीन्स प्रोटीन से भरपूर होती है जो बच्चे के विकास के लिए जरूरी सभी पोषक तत्व प्रदान करने में मदद करती है। बीन्स में आयरन, विटामिन बी और कई पोषक तत्व प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं जो बच्चे की हाइट बढ़ाने में मदद करते हैं।

चिकन-

बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए प्रोटीन सबसे आवश्यक घटक है। बच्चों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्रोटीन अन्य पोषक तत्वों के साथ अच्छी तरह से काम करता है। प्रोटीन ऊतकों की वृद्धि, क्षतिग्रस्त ऊतकों की मरम्मत के साथ कमजोर मांसपेशियों के विकास को भी सुनिश्चित करने का काम करता है। कहा जा सकता है कि बच्चे के समग्र विकास और ऊर्जा को बनाए रखने में प्रोटीन मदद करता है। इसके लिए आप अपने बच्चे की डाइट में ग्रिल्ड चिकन शामिल करके उसे लंबा और मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। चिकन विटामिन बी, प्रोटीन और दूसरे महत्वपूर्ण पोषक तत्व प्रदान करता है जो आपके शरीर के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बादाम-

बादाम में फाइबर, मैंगनीज और विटामिन ई प्रचूर मात्रा में मौजूद होने के साथ कई पोषक तत्वों से भी भरपूर होते हैं।इतना ही नहीं बादाम हड्डियों की सेहत को अच्छा बनाए रखने के साथ बच्चों की हाइट को भी तेजी से बढ़ाने में मदद करते हैं।

अंडे

अंडे प्रोटीन से भरपूर होते हैं जो आपको लंबा बनाने के लिए जरूरी होते हैं। इनमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन मौजूद होता है जो आपकी हाइट बढ़ाने में मदद करता है। साथ ही इनमें मौजूद अमीनो एसिड और कई विटामिन आपको हेल्दी बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

दूध-

ऐसे कई बच्चे होते हैं जिन्हें दूध पीना पसंद नहीं होता। लेकिन दूध से हमें बड़ी मात्रा में कैल्शियम की प्राप्ति होती है, जो कि हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत कहा जाता है। दूध का सेवन करने से बच्चे की ऊंचाई बढ़ने के साथ उसकी हड्डियां भी मजबूत बनती हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह का प्रारंभ किसी यात्रा से हो सकता है। बहुत दिनों से जो काम टल रहे थे, वे गति पकड़ने वाले हैं। कार्य की अधिकता जरूर रहेगी लेकिन सारे कार्य हो जाएंगे। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी, कारोबारियों को लाभ की स्थिति बनेगी। रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। इस राशि के कुछ लोगों को नए प्रेम प्रस्ताव मिलेंगे।

वृषभ : पारिवारिक रिश्तों को लेकर थोड़े सतर्क रहें। लोगों की आपसे काफी अपेक्षाएं हैं इसलिए उन्हें वक्त भी देना होगा। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। उत्साह बना रहेगा। जॉब-बिजनेस में लाभ के अवसर आएंगे। तरक्की होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। पुराने दिनों से चली आ रही परेशानियां काफी हद तक कम होंगी।

मिथुन : धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है। बहुत दिनों से किसी कार्य के पूरा होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं वह होने वाला है। आर्थिक क्षेत्र में किसी नई योजना पर काम शुरू करेंगे। बिजनेस में तरक्की और विस्तार के अवसर आएंगे। नौकरी में प्रमोशन की संभावना है। पारिवारिक समागम, मेलजोल बना रहेगा। स्वास्थ्य सुधार पर है।

कर्क : शारीरिक मानसिक से मजबूती वाला रहेगा यह सप्ताह। संतान पक्ष को लेकर कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं। उनके कार्यो पर नजर भी रखनी होगी किकोई गलत रात न पकड़ लें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। पैसों की आवक भरपूर होगी लेकिन खर्च की स्थिति भी बन रही है।

सिंह : सप्ताह का प्रारंभ किसी शुभ समाचार से होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह अत्यंत शुभ है। भूमि, संपत्ति की खरीदी-बिक्री से संबंधित कार्य से लाभ प्राप्त करेंगे। रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने में किसी स्वजन का सहयोग मिलेगा। मित्रों के साथ थोड़ा मनमुटाव हो सकता है लेकिन बात बिगड़ने से पहले संभाल लेंगे।

कन्या : अपने कार्यो को अंजाम तक पहुंचाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। पुराने बिगड़े हुए काम पटरी पर आने वाले हैं। बिजनेस गति पकड़ेगा और नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। धैर्य और संयम के साथ कोई कार्य करेंगे तो उसमें निश्चित रूप से तरक्की मिलने वाली है। आर्थिक मजबूती की ओर बढ़ेंगे।

तुला : आपके भौतिक सुखों में वृद्धि होने वाली है। आभूषण, वस्त्र आदि खरीदेंगे। किसी पारिवारिक समारोह में जाने का अवसर आएगा। संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद निपटाने की ओर है। सप्ताह के मध्य में किसी विशेष व्यक्ति से भेंट होगी। बिजनेस के लिए लोन लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़ हो सकता है।

वृश्चिक : अपने मन को शांत रखें और सोच समझकर निर्णय लें। किसी के बहकावे में आकर या देखादेखी कोई काम न करें वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है। तरक्की के रास्ते सामने हैं बस जरूरत है उन्हें पहचानने की। किसी भी काम की हड़बड़ी न करें। नौकरी बिजनेस उत्तम रहेगा। स्वास्थ्य भी इस हफ्ते अच्छा रहेगा।

धनु : आर्थिक प्रबलता आपके पक्ष में हैं। जो भी काम करेंगे उसमें सफलता निश्चित है। इसलिए घबराएं नहीं, खुद पर आत्मविश्वास रखें और आगे बढ़ें। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में विस्तार, बेरोजगारों को रोजगार के अवसर आएंगे। विद्यार्थियों को फोकस पढ़ाई पर रखना है। पिता या पिता तुल्य व्यक्ति की बात मानें और फॉलो करें।

मकर : बहुत दिनों से किसी काम के होने का रास्ता देख रहे थे वह होने वाला है। पैसों की भरपूर आवक होगी लेकिन ध्यान रखें खर्च सोच समझकर करें। व्यर्थ के कार्यो पर पैसा और समय नष्ट न करें। पारिवारिक मेलजोल बढ़ेगा। किसी काम को करने की जल्दबाजी न करें। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

कुंभ : मौज-मस्ती भरा सप्ताह रहेगा। पारिवारिक समागम, मित्रों के साथ घूमने-फिरने का अवसर आएगा। स्वयं का भवन, वाहन खरीदने का योग है। आर्थिक मजबूती रहेगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा लेकिन जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी के बहकावे में आकर काम न करें। कार्य विस्तार के लिए किसी मित्र का सहयोग लेना पड़ेगा।

मीन : पद और पैसा प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर आएंगे। कारोबारियों को लाभ और विस्तार के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। पर्यटन का अवसर आएगा। अविवाहितों के विवाह की बात बनेगी।

चुटकुले

बीवी - अगर मेरी शादी किसी राक्षस से हो जाती तो भी
इतना दुखी न होती, जितनी तुम्हारे साथ हूं
पति - पगली! खून के रिश्तों में कहां शादी होती है..........
फिर क्या पतिदेव की हो गई जोरदार कुटाई

लड़कियों का क्या है...
वो तो यूट्यूब पर रेसिपी देखकर छोले भटूरे,
चाउमीन सब बना लेंगी
असली परेशानी तो लड़कों को है, जिन्हें पान मसालाकी रेसिपी ही नहीं मिल रही

दिल्ली में 2500 करोड़ रुपये की हेरोइन जब्त, स्पेशल सेल ने 4 तस्करों को पकड़ा

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने शनिवार को ड्रग्स तस्करी के बड़े अंतर्राज्यीय सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए ड्रग्स की काफी बड़ी खेप पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने ड्रग्स के साथ 4 लोगों को भी गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, स्पेशल सेल ने शनिवार को 350 किलो से अधिक हेरोइन के साथ 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद की गई हेरोइन की कीमत करीब 2500 करोड़ रुपये बताई जा रही है। तीन आरोपियों को हरियाणा और एक आरोपी को दिल्ली से पकड़ा गया है। पुलिस ने चारों आरोपियों से पूछताछ कर इनके गिरोह से जुड़े और लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। वहीं, स्पेशल सेल ने राजधानी में गोलीबारी की दो अलग-अलग घटनाओं में चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ये घटनाएं दिल्ली के रोहिणी और द्वारका इलाकों में शुक्रवार को हुई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दो लुटेरों यशपाल और विकास को गोलीबारी के बाद रात करीब नौ बजे रोहिणी से पकड़ा गया। यशपाल लूट और झपटमारी के 15 से अधिक मामलों में शामिल है। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में मेरठ के दो अवैध हथियार तस्करों अब्दुल वहाब और फरमान को द्वारका से देर रात करीब साढ़े 12 बजे पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक स्थानीय अपराधी को हथियारों की आपूर्ति करने राजधानी आया था। दोनों के पास से पांच पिस्तौल और 60 कारतूस बरामद किए गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यमुनानगर में मंत्री का कार्यक्रम रोकने पहुंचे किसान पुलिस से भिड़े, बैरिकेड्स पर चढ़ाया ट्रैक्टर

हरियाणा के यमुनानगर में शनिवार को नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शनकारी किसान राज्य के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा के विरोध में सड़कों पर उतरे थे। इस दौरान किसानों ने पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। इन प्रदर्शनकारियों को काबू करने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

डीएसपी (बिलासपुर) आशीष चौधरी ने बताया कि राज्य के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा शनिवार को यमुनानगर स्थित रामविलास भवन में बैठक करने पहुंचे थे। इसके लिए स्थानीय विधायकों और मंत्रियों का भी यहां आना था। किसानों ने ऐलान किया था कि हम इनका विरोध करेंगे और किसी भी कीमत पर ये कार्यक्रम नहीं होने देंगे।

डीएसपी ने बताया कि किसानों ने जब इस बैठक को रोकने का प्रयास किया तो पुलिस और किसानों में झड़प हो गई। इस दौरान कुछ लोगों ने बैरिकेड पर ट्रैक्टर तक चढ़ा दिया, लेकिन पुलिस उन्हें काबू करते हुए सफलतापूर्वक कार्यक्रम का संचालन कराने में सफल रही। पुलिस अधिकारी ने बताया कि किसान नेताओं से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि हम इसके लिए माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बीच में भी कुछ लोग ऐसे हैं जो बात नहीं मानते हैं। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसानों ने गिरफ्तारियां दी हैं। पुलिस बैरिकेडिंग को ट्रैक्टर से टक्कर मारने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ब्लॉक प्रमुख चुनाव-यूपी में जगह-जगह हिंसा और झड़प, अमरोहा में लाठीचार्ज

यूपी में ब्लॉक प्रमुख के 476 पदों के लिए मतदान जारी है। मतदान के दौरान बाराबंकी, रायबरेली, सुलतानपुर, लखीमपुर खीरी समेत कई जिले बवाल की खबरें आ रही है। सुलतानपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम कर दी है। वहीं बाराबंकी में दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। पुलिस से भी नोकझोंक हुई है। लखीमपुर खीरी में भी बीडीसी मतदाता के वोट को लेकर पुलिस और भाजपा समर्थक भिड़ गए। मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। मतदान केंद्रों पर पीएसी ने मोर्चा संभाला है। चुनाव में कुल 145 कंपनी पीएसी लगाई गई है। मतदान के दौरान हिंसा की आशंका को देखते हुए संवदेनशील जिलों में विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। बाराबंकी के देवा में समय से पहले ही पूरा वोट पड़ा। ब्लॉक प्रमुख नामांकन से शुरू हुआ बवाल अब तक थमा नहीं है।

नामांकन के बाद मतदान के दिन भी यूपी के कई जिलों में बवाल हुआ। लखीमपुर खीरी जिले के नकहा ब्लॉक में एक वोट को लेकर बवाल खासा बवाल हुआ। इस दौरान पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ गया। यहां बीडीसी मतदाता के वोट को लेकर भाजपा समर्थक और पुलिस आपस में भिड़ गए। पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को गेट से भगाया तो सभी हाईवे पर पहुंच गए और दोपहर करीब डेढ़ बजे जाम लगाने की कोशिश करने लगे। इससे पहले ब्लॉक प्रमुख नामांकन के दिन यहां हुई महिला से बदसलूकी का मामला अभी तक गर्माया हुआ है। इसको लेकर सीएम योगी ने कार्रवाई करते हुए सीओ इंस्पेक्टर समेत छह पुलिस कर्मियों को सस्पेंड भी कर चुके हैं। वहीं बाराबंकी में त्रिवेदीगंज ब्लॉक में भाजपा और भाजपा के ही बागी प्रत्याशी गुट में मारपीट और पथराव हुआ। पुलिस को यहां भी लाठियां फटकारनी पड़ीं। बवाल को देखते हुए कुछ देर के लिए लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर पुलिस ने यातायात बंद करा दिया। आम्बेडकरनगर जिले के जलालपुर में विधायक सुभाष राय व पुलिस के बीच विवाद और धक्कामुक्की हुई। विवाद की सूचना पर भाजपा नेता बीडीसी सदस्यों को लेकर मतदान केंद्र पहुंचे। इसके बाद सुभाष राय भी अपने लोगो को लेकर जाने का प्रयास करने लगे, लेकिन प्रशासन ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। भाजपा और सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े ब्लॉक प्रमुख चुनाव में एक बार फिर से सियासत गर्मा गई है। मतदान के दौरान यूपी के कई जिलों में बवाल, हंगामा और मारपीट हुई है। कई जगहों पर गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। अमरोहा में भाजपा और सपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। हमीरपुर में भी मतदान के दौरान जमकर बवाल हुआ। मारपीट के दौरान कई लोग घायल भी हुए हैं। मतदान के दौरान हुए बवाल में काफी नुकसान हुआ है। मतदान केन्द्रों के बाहर हंगामा कर रहे लोगों पर पुलिस को लाठीचार्ज तक करना पड़ गया है। वहीं सिद्धार्थनगर में भी बवाल की सूचना है। यहीं बीडीसी सदस्य के साथ मारपीट और भाजपा कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने देखा दुर्लभ सुपरनोवा, पिछले साल फरवरी से हो रहा था रिसर्च

नई दिल्ली, इंडियन रिसर्चर्स ने बेहद शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र वाले आकर्षक न्यूट्रॉन सितारे से ली गई ऊर्जा से चमकते अत्यंत प्रकाशमान, हाइड्रोजन की कमी वाले तेजी से विकसित हो रहे सुपरनोवा को देखा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने कहा कि ऐसे प्राचीन अंतरिक्षीय पिंडों के गहरे अध्ययन से ब्रह्मांड के शुरुआती रहस्यों का पता लगाया जा सकता है। बेहद दुलर्भ होते हैं सुपरलुमिनस सुपरनोवा सुपरनोवा शक्तिशाली और चमकदार तारकीय विस्फोट को कहा जाता है जिससे बड़ी मात्रा में ऊर्जा निकलती है। इस प्रकार के सुपरनोवा, जिन्हें सुपरलुमिनस सुपरनोवा (एसएलएसएनई) कहा जाता है, बेहद दुर्लभ होते हैं। डीएसटी ने कहा कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ये आमतौर पर बहुत विशाल सितारों (जिनकी न्यूनतम द्रव्यमान सीमा सूर्य से 25 गुना अधिक होती है) से निकले होते हैं। आकाशगंगा में ऐसे विशाल सितारों का संख्या वितरण बहुत कम हमारी आकाशगंगा में ऐसे विशाल सितारों का संख्या वितरण बहुत कम है। इनमें से,

एसएलएसएनई-1 को अब तक स्पेक्ट्रोस्कोप रूप से पुष्टि की गई लगभग 150 घटनाओं में गिनती की गई है। इसने कहा कि ये प्राचीन वस्तुएं सबसे कम समझे गए सुपरनोवा हैं क्योंकि उनके अंतर्निहित स्रोत अस्पष्ट हैं और उनके अत्यंत चमकीलेपन के कारण भी साफ नहीं हैं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2500 करोड़ की ड्रग पकड़ी, चार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को शुक्रवार को 350 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। इस हेरोइन का मूल्य करीब 2500 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इसके साथ ही स्पेशल सेल ने एक इंटरनेशनल ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए चार लोगों में से तीन हरियाणा के रहने वाले हैं। संदिग्धों से जारी है पूछताछ दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की तरफ से यह अब तक पकड़े गए ड्रग के सबसे बड़े जखीरे में से एक है। इसके साथ ही पुलिस ने ड्रग के धंधे से जुड़े सबसे बड़े सिंडिकेट में से एक का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस इस मामले में नारको-टेररिज्म एंगल से भी जांच कर रही है। इस मामले में संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। देश के सबसे बड़े ड्रग्स रैकेट से जुड़ी महिला के बारे में इंदौर आईजी ने सब कुछ बताया, सुनें एनसीबी ने पिछले महीने किया था भंडाफोड पिछले महीने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने एक इंटरनेशनल ड्रग ट्रैफिकिंग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया था। एनसीबी ने पुलिस ने आठ लोगों को 22 लाख साइकोट्रॉपिक टेबलेट और कम से कम 245 किलो इसी तरह के ड्रग भी जब्त किया था।

विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे डिफॉल्टर्स के पीछे पड़ी सरकार, पाई-पाई वसूलने का प्लान

नई दिल्ली, विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे बड़े डिफॉल्टर्स की मुश्किलें आगे और बढ़ने वाली है। बैंकों ने अपना बकाया वसूलने के लिए उनकी संपत्ति, शेयर, पेंटिंग्स और दूसरे एसेट्स को बेचना शुरू कर दिया है। जानकारों का कहना है कि इस पर टैक्स देनदारी को चुकाने के जिम्मेदारी बैंकों की नहीं होगी। यानी इन एसेट्स पर कैपिटल गेन टैक्स या किसी अन्य तरह की इनकम टैक्स देनदारी का भुगतान भी डिफॉल्टर्स को ही करना होगा। मौजूदा नियमों के मुताबिक एसेट सेल पर लगने वाले इनकम टैक्स या किसी दूसरे टैक्स का भुगतान डिफॉल्टर्स को करना होता है। अपना बकाया वसूलने के लिए जब्त की गई संपत्ति को बेचने वाले बैंकों की इसमें कोई देनदारी नहीं बनती है। KPB & Associates में पार्टनर पारस सावला ने कहा कि गिरवी रखी गई किसी भी एसेट पर प्रमोटर का हक होता है और इसे बेचने पर टैक्स चुकाने की देनदारी भी उसी की बनती है। न केवल कानून में यह बात साफ की गई है बल्कि इस पर सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला भी है। संपत्ति बेचने की अनुमति, जून में एक स्पेशल पीएमएलए कोर्ट ने बैंकों को डिफॉल्टर्स की 5,646 करोड़ रुपये की संपत्ति बेचने की अनुमति दी थी। इनमें कई बंगले और कुछ शेयर शामिल हैं। जब रियल एस्टेट की बिक्री होती है तो उस पर कैपिटल गेन टैक्स लगता है। इसी तरह शेयरों की बिक्री पर शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है। सामान्य स्थिति में सेलर को ये टैक्स देने पड़ते हैं। टैक्स जानकारों का कहना है कि उन मामलों में एसेट्स की बिक्री के बीचें में चीजें स्पष्ट हो सकती हैं जिनमें डिफॉल्टर फरार है या भारत में नहीं रह रहा है। टैक्स एडवाइजरी फर्म Transaction Square के फाउंडर गिरीश वनवारी ने कहा कि यह साफ है कि टैक्स डिफॉल्टर्स के देना है लैंडर्स को नहीं। समस्या तब खड़ी होती है जब प्रमोटर्स या प्रॉपर्टी का मालिक भारत में नहीं है। उन्होंने कहा कि नॉन-रेजिडेंट के लिए टैक्सेशन के नियम अलग हैं और कई मामलों में संभावित खरीदार टैक्स के बारे में लैंडर्स से क्लेयरिटी चाहता है। कुछ मामलों में खरीदार को सरकार को सीधे टैक्स देना पड़ता है या विदहोल्ड टैक्स का मामला बनता है।

यूपी में महापुरुषों के मेमोरियल्स का होगा कायाकल्प, योगी आदित्यनाथ ने स्पेशल कैंपेन चलाने का दिए निर्देश

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महापुरुषों के जुड़े स्मृति स्थलों का विकास काम कराते हुए नजर आ रही है। हाल ही में राजधानी लखनऊ के भीतर डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक और सांस्कृतिक स्थल का शिलान्यास करने के बाद अब योगी सरकार राज्य के भीतर सभी महापुरुषों से जुड़े स्मारकों और स्मृति स्थलों का कायाकल्प कराने जा रही है। यूपी में महापुरुषों के स्मृति स्थलों का होगा कायाकल्प उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में बने महापुरुषों के स्मृति स्थलों की बदहाल हालत अब जल्द ही सुधरने वाली है। बीते गुरुवार को यूपी के सीएम योगी ने आलाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए महापुरुषों से जुड़े स्मृति स्थलों के कायाकल्प को लेकर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि राज्य के सभी जिलों में बने महापुरुषों के स्मृतिस्थलों और स्मारकों का व्यवस्थित रख-रखाव किया जाए। अभियान चलाकर होगा स्मृति स्थलों को संवारने का काम बैठक के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यूपी के जिलों में बने महापुरुषों के स्मारकों और स्मृति स्थलों जैसे प्रेरणा स्थलों को जल्द से जल्द व्यवस्थित किया जाए। इन सभी स्थानों पर कई चरणों में विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई कराने के साथ अन्य प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाएं कराई जाएं। मुख्यमंत्री योगी ने बैठक के दौरान कहा कि महापुरुषों के स्मारकों और स्मृतिस्थलों को चरणवार तरीके से संवारने की योजना बनाई जा रही है, जल्द ही राजधानी लखनऊ से इस विशेष अभियान की शुरुआत कर दी जाएगी। इस अभियान के अंतर्गत स्मृति स्थलों को न सिर्फ व्यवस्थित किया जाएगा। बल्कि, उनका रंग-रोगन कराकर सौंदर्यीकरण भी कराया जाएगा।

कांग्रेस में फुलटाइम अध्यक्ष का बढ़ता जा रहा इंतजार, तीन बार चुनाव टलने के बाद पार्टी इस नए प्लान पर कर रही विचार

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी कई बार पार्टी के अध्यक्ष पद संभालने से इनकार कर चुके हैं। राहुल गांधी की तरफ से अध्यक्ष पद से इनकार करने और पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव टलने के बाद शीर्ष नेतृत्व को लेकर एक शून्य पैदा हो गया है। ऐसे में पार्टी इस शून्य को भरने के लिए नए फॉर्म्यूले पर विचार कर रही है। इसके अनुसार पार्टी में दो उपाध्यक्ष की नियुक्ति की जा सकती है। हालांकि, यह फॉर्म्यूले पर पिछले एक साल से चर्चा चल रही है लेकिन हाल ही में कोरोना महामारी के बीच पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव टलने पर इसको लेकर एक बार फिर से चर्चा तेज हो गई है। उपाध्यक्ष या कार्यकारी अध्यक्ष को लेकर चर्चा पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा इस प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है। ऐसे में यह देखना होगा कि क्या आगामी अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के फेरबदल में यह कारगर होगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस बात पर चर्चा है कि नियमित अध्यक्ष की गैरमौजूदगी में क्या उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाए या फिर कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति की जाए। इसका मतलब है कि एक पूर्णकालिक अध्यक्ष की अनुपस्थिति में एक नेता को पार्टी का प्रभारी बनाना। प्रियंका को जिम्मेदारी दिए जाने की अटकलें कांग्रेस नेता ने बताया कि पहले ही इस बात की जानकारी दी जा चुकी है कि प्रस्ताव में क्षेत्रीय जिम्मेदारियों के साथ उपाध्यक्षों को नियुक्त करने का प्रयास किया गया है। इस बात की भी अटकले हैं कि यूपी के प्रभारी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है। राज्य में 2022 की शुरुआत में चुनाव होने हैं।

भारत-श्रीलंका के बीच लिमिटेड ओवर सीरीज के नए शेड्यूल का ऐलान, ऐसा है पूरे दौरे का कार्यक्रम

भारत और श्रीलंका के बीच 13 जुलाई से शुरू होने से जा रही लिमिटेड ओवर सीरीज में अब बदलाव किया गया है। नए कार्यक्रम के मुताबिक, शिखर धवन की अगुवाई में भारत श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत अब 18 जुलाई से करेगा, जबकि टी-20 सीरीज 29 जुलाई तक खत्म होगी। मूल कार्यक्रम के अनुसार, ये छह मैच पहले 13 जुलाई से 25 जुलाई तक खेले जाने थे। बता दें कि श्रीलंकाई कैंप में कोरोना के कुछ मामले आने के कारण यह बदलाव किया गया है। श्रीलंकाई टीम के हाल में इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद उसके बल्लेबाजी कोच ग्रांट फ्लावर और वीडियो एनालिस्ट जीटी निरोशन कोरोना संक्रमित पाए गए थे। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने पुष्टि करते हुए हुए कहा कि श्रीलंका दौरे के मैचों का नया कार्यक्रम आया है। श्रीलंका बोर्ड के अधिकारियों ने शनिवार सुबह बीसीसीआई के सचिव के साथ नए संशोधित कार्यक्रम को लेकर बात की।

यह भी दिलचस्प है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट सख्ती के साथ कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर रहा थी, लेकिन उसे शुक्रवार देर रात तक इस परिवर्तन के बारे में पता तक नहीं था। शिखर धवन के नेतृत्व वाली टीम 13 जुलाई को होने वाले पहले वनडे के हिसाब से तैयारी कर रही थी, लेकिन भारतीय टीम अब तीन वनडे मैच 18, 20 और 23 जुलाई को खेलेगी और तीन टी-20 मैच 25, 27 और 29 जुलाई को खेले जाएंगे। सभी मैच कोलंबो स्थित आर प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में होंगे।

भारत बनाम श्रीलंका के बीच वनडे सीरीज का शेड्यूल-
पहला वनडे -18 जुलाई
दूसरा वनडे - 20 जुलाई
तीसरा वनडे - 23 जुलाई

भारत बनाम श्रीलंका के बीच टी-20 सीरीज का शेड्यूल-
पहला टी-20 मैच -25 जुलाई
दूसरा टी-20 मैच - 27 जुलाई
तीसरा टी-20 मैच - 29 जुलाई

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम: शिखर धवन (कप्तान), पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, नीतीश राणा, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, कृष्णप्पा गौतम, क्रुणाल पांड्या, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, भुवनेश्वर कुमार (उप-कप्तान), दीपक चाहर, नवदीप सैनी, चेतन सकारिया।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड को लग सकता है झटका, ओली पोप के खेलने पर संस्पेंस

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले इंग्लैंड के लिए बुरी खबर है। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप को वाइटैलिटी ब्लास्ट में सरे के लिए खेलते हुए जांघ में चोट लग गई। इस वजह से उनका भारत के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट मैच 4 अगस्त से खेला जाएगा। 23 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज को दो जुलाई को सरे के घरेलू टी20 टूर्नामेंट में केंट के खिलाफ मैच में जांघ की मांसपेशियों में चोट लग गई थी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बयान में कहा, 'पोप की बाईं जांघ की मांसपेशियों में चोट लग गई है जिसके कारण वह भारत के खिलाफ इंग्लैंड की एलवी इंश्योरेंस टेस्ट सीरीज शुरू होने तक मैदान पर नहीं उतरेंगे।' ईसीबी और सरे की फिटनेस टीमें एक साथ मिलकर पोप का रिहैबिलिटेशन कराएंगी, जिसमें फोकस भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में उनकी मौजूदगी पर होगा। पहला टेस्ट चार अगस्त से ट्रेंटब्रिज में शुरू होगा। अगर वह इस समय तक चोट से नहीं उबर पाते हैं तो डेविड मलान को मौका दिया जा सकता है, जिन्होंने इंग्लैंड के लिमिटेड ओवर के क्रिकेट में बल्लेबाजी में प्रभावित किया है।

वहाब रियाज इस साल 'द हंड्रेड' में खेल पाएंगे या नहीं, अब अगले हफ्ते आएगा फैसला

पाकिस्तान के बाएं हाथ के अनुभवी तेज गेंदबाज वहाब रियाज पहली बार हो रहे 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए दोबारा इंग्लैंड जा पाएंगे या नहीं, इसकी जानकारी उन्हें अगले हफ्ते ही मिल पाएगी। 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में ट्रेंट रॉकेट्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया था, लेकिन रियाज के पास इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए वर्क वीजा नहीं था और इसी वजह से उन्हें हाल ही में यूके से वापस पाकिस्तान भेज दिया गया। इसकी वजह से पाकिस्तान को शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। वहाब ने कहा, 'मेरा 'वर्क परमिट' जारी किया जा चुका है, लेकिन मुझे इसकी जानकारी अगले हफ्ते मिलेगी और जब मुझे मेरा 'वर्क परमिट' वीजा मिलेगा, तभी मैं दोबारा रवाना हो पाऊंगा। यह तेज गेंदबाज इस समय पाकिस्तानी टीम से बाहर है और उन्होंने कहा कि वीजा को लेकर हुई गलतफहमी के कारण ही उनके लिए समस्या हुई और उन्हें एयरपोर्ट से वापस कर दिया गया। शाहीन शाह अफरीदी पाकिस्तान के लिए खेलने में व्यस्त होंगे, जिसकी वजह से बर्मिंघम फिनिक्स फ्रेंचाइजी ने वहाब को उनकी जगह टीम में शामिल किया है।

राजस्थान के तेज गेंदबाज पंकज सिंह ने क्रिकेट से लिया संन्यास

राजस्थान के 36 वर्षीय तेज गेंदबाज पंकज सिंह ने शनिवार को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज पंकज सिंह ने राजस्थान क्रिकेट बोर्ड के सेक्रेटरी को एक पत्र लिखकर घरेलू क्रिकेट बोर्ड का आभार प्रकट किया। पंकज अपनी लंबी कद-काठी के कारण सबकी नजर में आ गए थे। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में साल 2004 में राजस्थान की ओर से डेब्यू किया। 2008 में आईपीएल के पहले सीजन में उन्हें राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने का मौका मिला। बाद में वो आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की तरफ से भी खेले।

साल 2010 में पंकज सिंह का वनडे डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ हुआ। उस मैच में उन्होंने 7 ओवर में 45 रन दिए मगर उनके हाथ कोई सफलता नहीं लगी। इसके बाद उन्हें आगे कोई भी वनडे मैच खेलने का मौका नहीं मिला। साल 2014 में उन्होंने रणजी में शानदार प्रदर्शन किया। चयनकर्ताओं की नजरें एक बार फिर पंकज सिंह पर गईं। उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टेस्ट टीम में शामिल कर लिया गया। लॉर्ड्स टेस्ट में चोटिल होने के बाद ईशांत शर्मा बाहर हो गए। ईशांत की जगह पर पंकज सिंह को टीम में शामिल किया गया। उन्होंने अपना डेब्यू साउथैम्पटन के मैदान पर किया। इस मैच में उन्हें कोई सफलता नहीं मिली।

उन्होंने अगला टेस्ट मैनचेस्टर में खेला, जहां उन्हें 2 सफलताएं मिली। उस मैच के बाद पंकज सिंह किसी भी फॉर्मेट में देश के लिए नहीं खेल सके। इस सबके बावजूद उनका रणजी में प्रदर्शन काफी शानदार रहा। साल दर साल पंकज सिंह की गेंदबाजी में पैनापन आता गया। 2018-19 के सीजन में पंकज पुडुचेरी चले गए। दिसम्बर 2018 में पंकज सिंह रणजी ट्रॉफी क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बने। उन्होंने 117 फर्स्ट क्लास मैच में, 23.76 की औसत से 472 विकेट चटकाए। पंकज ने 79 लिस्ट ए मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 26.99 की औसत से 118 विकेट लिए हैं

लॉकडाउन में ढील के बाद जून में ईंधन की बिक्री में इजाफा

कोविड-19 की वजह से राज्यों में लगे लॉकडाउन में ढील के साथ भारत में जून में ईंधन की मांग फिर से बढ़ गयी।

इससे पहले मई में नौ महीनों में ईंधन की मांग सबसे कम रही थी।पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़े के मुताबिक जून, 2020 के मुकाबले इस साल जून में ईंधन की खपत 1.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.63 करोड़ टन रही।

जून में पेट्रोल की बिक्री सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24 लाख टन थी। मई के 19.9 लाख टन की बिक्री से यह 21 प्रतिशत की वृद्धि है। देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले ईंधन डीजल की बिक्री मई से 12 प्रतिशत बढ़कर 62 लाख टन हो गयी लेकिन यह जून, 2020 से 1.5 प्रतिशत और जून 2019 से 18.8 प्रतिशत कम है।

इस साल मार्च के बाद पहली बार किसी महीने में ईंधन की मांग में वृद्धि दर्ज की गयी है। कोविड-19 की दूसरी लहर के शुरू होने से पहले इस साल मार्च में ईंधन की मांग सामान्य स्तर के आसपास पहुंच गयी थी। लेकिन महामारी का प्रकोप बढ़ने के साथ अलग-अलग राज्यों में लॉकडाउन लगने की वजह से वाहनों की आवाजाही कम हो गयी और साथ ही आर्थिक गतिविधि पर असर पड़ा जिससे ईंधन की मांग कम हो गयी।मई में ईंधन की खपत अगस्त, 2020 के बाद से सबसे कम थी। महामारी की दूसरी लहर का प्रकोप कम होने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में लॉकडाउन में ढील दिए जाने की वजह से जून में ईंधन की मांग में तेजी आयी। पिछले महीने तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि भारत में ईंधन की मांग 2021 के अंत तक महामारी पूर्व के स्तर पर लौट आएगी। इनकी तुलना में रसोई गैस एकमात्र ऐसा ईंधन है जिसकी खपत पहले लॉकडाउन में भी बढ़ी थी। वहीं जून में इसकी बिक्री 9.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 22.6 लाख टन थी। जून, 2019 से इसमें 26.3 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी। यात्रा संबंधी रोक की वजह से विमान सेवाओं अभी पूर्ण रूप से चालू नहीं हुई हैं। जून में विमान ईंधन यानी एटीएफ की बिक्री 2,58,000 टन रही। इसमें सालान आधार पर 16.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी लेकिन यह जून 2019 की तुलना में 61.7 प्रतिशत कम है। नाफ्था की बिक्री लगभग 3.1 प्रतिशत घटकर 11.9 लाख टन हो गयी, जबकि सड़क बनाने में इस्तेमाल किए जाने वाले बिटुमेन की बिक्री 32 प्रतिशत घटकर 5,09,000 टन हो गयी।

अमूल के बाद मदर डेयरी ने भी बढ़ाए दूध के दाम, चेक करें ताजा रेट्स

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में दूध की प्रमुख आपूर्तिकर्ता मदर डेयरी ने दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाने की घोषणा की है। यह मूल्यवृद्धि रविवार से लागू होगी। इससे पहले मदर डेयरी ने दिसंबर, 2019 में दूध की कीमतों में संशोधन किया था। मदर डेयरी से पहले एक जुलाई से अमूल ने भी दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाए थे। इस मूल्यवृद्धि को उचित ठहराते हुए मदर डेयरी ने कहा कि पिछले एक साल के दौरान डेयरी किसानों से दूध की खरीद की लागत आठ से 10 प्रतिशत बढ़ गई है। इसके अलावा अन्य परिचालन खर्च में भी बढ़ोतरी हुई है। मदर डेयरी ने कहा, "इसके मद्देनजर उसे दिल्ली-एनसीआर में दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करनी पड़ रही है, जो 11 जुलाई से लागू होगी।" मदर डेयरी ने कहा कि पूर्वी और मध्य उत्तर प्रदेश, मुंबई, नागपुर और कोलकाता में भी दूध के दाम 11 जुलाई से दो रुपये प्रति लीटर बढ़ जाएंगे। मदर डेयरी का दूध देश के 100 से अधिक शहरों में बिकता है। मदर डेयरी की प्रतिदिन की बिक्री 35 लाख लीटर दूध की है। इसमें से 30 लाख लीटर दूध वह दिल्ली-एनसीआर में बेचती है। कंपनी ने बयान में कहा कि डेयरी किसानों से दूध की खरीद लागत पिछले एक साल में आठ से दस प्रतिशत प्रतिशत बढ़ी है। इसके अलावा प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स की लागत में भी बढ़ोतरी हुई है। बयान में कहा गया है कि पिछले तीन-चार सप्ताह में ही दूध की खरीद लागत करीब चार प्रतिशत बढ़ गई है।

कंपनी ने कहा कि वह हमेशा उपभोक्ताओं और दुग्ध उत्पादकों के बीच संतुलन कायम करने का प्रयास करती है। दूध खरीद की लागत का आंशिक बोझ ही उपभोक्ताओं पर डाला गया है। रविवार से मदर डेयरी का टोकन वाला दूध 44 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। अभी इसका दाम 42 रुपये प्रति लीटर है। फुल क्रीम (पोलिपैक) दूध का दाम 55 से बढ़कर 57 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। वहीं टोंड मिल्क 45 से 47 रुपये प्रति लीटर और डबल टोंड 39 से 41 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। गाय के दूध का दाम 47 रुपये से 49 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा। दूध के आधा लीटर के पाउच का दाम एक रुपये बढ़ाया गया है। इस लिहाज से एक लीटर के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ेंगे।

घर खरीदने का अच्छा मौका, पिछले 10 साल में निचले स्तर पर होम लोन की ब्याज दर, जानें क्या कह रहे हैं एक्सपर्ट

कोरोना काल में आर्थिक चुनौतियों के बावजूद घर खरीदने को लेकर उपभोक्ताओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। इसके उलट अब वह बड़ा घर खरीदने को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। इस मामले में महिलाएं ज्यादा आगे हैं। वित्त वर्ष 2021 होम लोन रिफाइनेंसिंग रिपोर्ट के मुताबिक महिला होम लोन का हिस्सा 7.4 फीसदी बढ़ा है। लोन एग्रीगेटर बैंक बाजार की होम लोन रिफाइनेंसिंग रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना संकट की वजह से घर से काम यानी वर्क फ्रॉम होम का चलन बढ़ने से अब लोग ज्यादा बड़ा घर खरीदना पसंद कर रहे हैं। वहीं ब्याज दरें एक दशक से भी ज्यादा के निचले स्तर पर होने से उन्हें पहले के मुकाबले अधिक राशि का कर्ज आसानी से मिल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2021 में औसत होम लोन 26.50 लाख रुपये से बढ़कर 27.30 लाख रुपये पर पहुंच गया है। लेकिन होम लोन के महिला आवेदकों के मामले में औसत राशि 32 लाख रुपये पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक युवा उपभोक्ताओं के लिए अपना घर खरीदने का लक्ष्य पहली प्राथमिकता है। घर खरीदने का अच्छा मौका रियल एस्टेट कंपनी अंतरिक्ष इंडिया के सीएमडी राकेश यादव ने हिन्दुस्तान को बताया कि कोरोना के बाद खाने—पीने के सामान से लेकर गाड़ी, टीवी, फ्रीज तक महंगे हो चुके हैं लेकिन घरों की कीमत में बढ़ोतरी नहीं हुई है। वहीं, दूसरी ओर स्टील—सीमेंट से लेकर कंस्ट्रक्शन में इस्तेमाल होने वाली अधिकांश वस्तुएं की कीमतें 50 फीसदी से लेकर 70 फीसदी तक बढ़ चुकी है। कई सामान की कीमत में दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। यानी आने वाले समय में घरों की कीमत में बढ़ोतरी करना डेवलपर्स की मजबूरी होगी। ऐसे में मौजूदा वक्त में घर खरीदारी सबसे फायदे का सौदा है क्योंकि सस्ते होम लोन के साथ डेवलपर्स बिक्री बढ़ाने के लिए कई तरह की रियायत दे रहे हैं। इस मौके का फायदा उठाकर कम कीमत में अच्छी प्रॉपर्टी खरीदी जा सकती है। क्रेडाई नेशनल (नॉर्थ) के वाइस प्रेसीडेंट और गौड़ ग्रुप के सीएमडी, मनोज गौड़ ने बताया कि होम लोन इन दिनों बेहद कम ब्याज पर आसानी से उपलब्ध हैं। पिछले एक दशक में पहली बार होम लोन की ब्याज दर इतनी कम देखने को मिली है। घर खरीददारों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है। साथ ही कोरोना महामारी के चलते डेवेलेपर्स भी खरीदारों को तमाम ऑफर दे रहे हैं जिससे उनकी इस ओर रूचि बढ़े। बैंकों द्वारा कम ब्याज पर होम लोन के साथ ही डेवेलपर्स भी अत्यधिक छूट व ऑफर के साथ अपनी प्रॉपर्टी को बेचने के प्रयास में जुटे हुए हैं।

कास्टिंग को बेहद महत्वपूर्ण मगर बहुत चैलेंजिंग मानते हैं कास्टिंग डायरेक्टर -विवेक गौतम

अक्षय कुमार के ब्लॉकबस्टर म्यूज़िक वीडियो "फिलहाल" में एसोसिएट कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काम कर चुके विवेक गौतम की चर्चा आजकल काफी हो रही है। वह अब तक कई प्रोजेक्ट्स कर चुके हैं। बतौर एसोसिएट कास्टिंग डायरेक्टर वह 5 शोज़, बी प्राक के साथ मस्तानी, दूजी वार प्यार सहित 10 म्यूज़िक वीडियो, 2 हिंदी फिल्मों और एक वेब सीरीज के लिए काम कर चुके हैं। उन्होंने अरविन्द्र खैरा, जानी और बीप्राक की टीम के साथ कुछ और काम भी किया है।

मध्यप्रदेश के रेवा जिला के एक छोटे से गांव खर्रा के रहने वाले विवेक गौतम का कास्टिंग डायरेक्टर बनने तक का सफर बड़ा संघर्षों भरा रहा है। इस फील्ड में उन्होंने क्राउड कोऑर्डिनेटर के तौर पर अपना कैरियर शुरू किया, फिर वह जूनियर आर्टिस्ट्स कोऑर्डिनेटर बने, उसके बाद असिस्टेन्ट कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काफी काम किया, फिर एसोसिएट कास्टिंग डायरेक्टर बने और अब जाकर उन्होंने कुछ प्रोजेक्ट्स इंडिपेंडेंट कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में किए हैं।

आपको जानकर हैरत होगी कि इंटर्न कास्टिंग के रूप में 2015 में एक कास्टिंग एजेंसी में विवेक गौतम अपना पहला प्रोजेक्ट किया था, जिसके लिए उन्हें कुछ पारिश्रमिक भी नहीं मिलता था मगर वर्क एक्सपीरिएंस हासिल करने के लिए और काम सीखने के लिए उन्होंने वहां काम किया। काम के प्रति उनके जुनून और ईमानदारी ने ही उन्हें सफलता की मंज़िल दिलाई।

कास्टिंग डायरेक्शन बड़ी ज़िम्मेदारी का काम होता है, विवेक गौतम मानते हैं, कि इस क्षेत्र में काफी चैलेंज होते हैं। कुछ लोग कास्टिंग डायरेक्टर से नफरत भी करते हैं क्योंकि उन्हें एक वक्त में एक ही कलाकार को कास्ट करना होता है।

कुछ लोगों ने उन्हें बड़ा एटीट्यूड रखने वाला आदमी कहा, मगर फिर अपनी जिम्मेदारी समझते हुए उन्होंने इन बातों को सहज तौर पर लेना शुरू कर दिया।

बॉलीवुड के कई कास्टिंग डायरेक्टर्स निर्माता निर्देशक भी बने हैं, यह भी हमेशा से डायरेक्टर ही बनना चाहते थे। इसलिए वह अपने प्रोजेक्ट्स में डायरेक्टर के साथ सेट पर ही अपना अधिक समय बिताते हैं और निर्देशन की बारीकियों को सीखते समझते हैं।

उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में बेहतर स्टार कास्ट के साथ 2 तेलगु फिल्मे, एक हिंदी फिल्म, एक वेब सीरीज "उद्धमगढ़" और कुछ म्यूज़िक वीडियो हैं।

फ़िल्म या किरदार के अनुसार कास्टिंग करना बतौर कास्टिंग डायरेक्टर वह बहुत मुश्किल मानते हैं।

सबसे पहले ऑडिशन लेना होता है, और उससे पहले किरदार के बारे में समझने के लिए आपको पुरी स्क्रिप्ट पढ़नी होती है। फिर डायरेक्टर की पसन्द का ख्याल रखना होता है, एक्टर की प्रतिभा देखनी होती है, उनके डेट्स भी देखने होते हैं। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है।

उन्हें लगता है कि अब कास्टिंग डायरेक्टर को उनका सही क्रेडिट मिलने लगा है। डायरेक्टर और प्रोडक्शन हाउस से अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है। क्योंकि सही और परफेक्ट कास्टिंग किसी प्रोजेक्ट की सफलता में बहुत बड़ा रोल अदा करती है।

आने वाले समय में वह फिमी प्रोडक्शंस के म्यूजिक वीडियोस और मूवीज की कास्टिंग भी कर रहे है.

विवेक गौतम रोल मॉडल और अपना गुरु मिस्टर रियाज़ इम्मी को मानते है जिनसे उन्होने बहुत कुछ सीखा है.

सनी देओल के बेटे करण ने शुरू की दूसरी फिल्म की शूटिंग

सनी देओल (Sunny Deol) के बेटे करण (Karan Deol) ने साल 2019 में फिल्म 'पल पल दिल के पास' से बॉलीवुड में कदम रखा था. हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास चली नहीं. यहां तक की क्रिटिक्स और दर्शकों से भी फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला. लेकिन अब करण अपनी नई फिल्म लेकर आ रहे हैं और उम्मीद है कि वह इस बार दर्शकों को जरूर खुश करेंगे. रोमांटिक फिल्म से डेब्यू करने के बाद अब करण अपना अलग अवतार दिखाने वाले हैं क्योंकि इस बार वह क्राइम कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे जिसका नाम है वेले इन दिल्ली.

हाल ही में करण को एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था और इस दौरान व्हाइट टी शर्ट और जीन्स में करण काफी स्मार्ट लग रहे थे. वह फिल्म के शूट के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं. फिल्म को देवेन मुंजाल डायरेक्ट कर रहे हैं और इसमें 3 दोस्तों की कहानी दिखाई जाएगी. बता दें कि देवेन ने इससे पहले चलते-चलते और ओम शांति ओम फिल्मों में काम किया है.

करण ने शेयर किया नया लुक

करण ने अपने नए लुक से फैंस को भी रूबरू कराया है. थोड़ा सीरियस लुक में फोटो शेयर करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, नया लुक, नई शुरुआत. करण से हाल ही में पूछा गया कि उनके लिए लॉकडाउन कितना मुश्किल भरा था तो उन्होंने कहा, 'लॉकडाउन सबके लिए ही मुश्किल था. लेकिन अब धीरे-धीरे सेफ्टी के साथ आपको सब दोबारा से शुरू तो करना पड़ेगा.'

फिल्म की शूटिंग को लेकर करण बोले, 'मैं शूटिंग को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं. इस बार कुछ अलग करने वाला हूं एक शानदार टीम के साथ. जल्द आप सभी को इसकी बाकी की जानकारी दूंगा.'

अपने 2 में भी आएंगे नजर

बता दें कि वेले इन दिल्ली के अलावा करण, फिल्म अपने के दूसरे इंस्टॉलमेंट में नजर आएंगे. फिल्म में पूरा देओल परिवार यानी कि 3 जनरेशन साथ में देखने को मिलेगी जिसमें धर्मेंद्र, सनी देओल बॉबी देओ और करण साथ में नजर आएंगे. फिल्म को लेकर डायरेक्टर अनिल शर्मा ने कहा था, 'मैं देओल परिवार की 3 जनरेशन को डायरेक्ट करने वाला हूं.

'Mimi' की रिलीज डेट आई सामने, कृति सेनन-पंकज त्रिपाठी की फिल्म

बॉलीवुड की एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिमी' के रिलीज डेट का खुलासा कर दिया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस को सरप्राइज देते हुए फिल्म का नया पोस्ट और रिलीज डेट की जानकारी दी है। कृति के पोस्ट के अनुसार, 'मिमी' 30 जुलाई को रिलीज होगी। वहीं इस फिल्म को दर्शक घर बैठकर अपनी फैमिली संग इसे देख पाएंगे।

30 जुलाई को रिलीज होगी फिल्म मिमी

फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए कृति ने लिखा, 'इस जुलाई, एक अनएक्सपेक्टेड ऑफर मिमी की लाइफ बदल देगा।

3 दिन में डिलीवर होगा मिमी का ट्रेलर। नेटफ्लिक्स और जियो सिनेमा पर फिल्म होगी 30 जुलाई को रिलीज।'फिल्म का पोस्टर देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गये हैं।

सरोगेट मदर पर बेस्ड है फिल्म

फिल्म में कृति के अलावा सुप्रिया पाठक, पंकज त्रिपाठी, सई ताम्हणकर, मनोज पाहवा भी लीड रोल में दिखाई देंगे। बता दें कि इस फिल्म की शूटिंग बीते साल ही पूरी कर ली गई थी। कृति की यह फिल्म महिला केंद्रित है, जिसमें सेरोगेट मां की कहानी दिखाई गई है। फिल्म का निर्देशन दिनेश विजान ने किया है।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

काफी दिनों से फिल्म के डिजीटल प्लेटफार्म पर रिलीज होने की बातें की जा रही थीं। हालांकि अब कृति के घोषणा करते ही साफ हो गया है कि यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर 30 जुलाई को रिलीज होगी।

वर्तमान में कोरोना महामारी के हालात को देखते हुए मेकर्स ने इसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ही रिलीज करने का फैसला किया है।

जॉन बनेंगे विलेन

शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म पठान में जॉन अब्राहम निगेटिव किरदार में दिखाई देंगे ये पहले साफ हो चुका है। लेकिन अब उनके किरदार को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। लेकर ये डिटेल सामने आई है। वो इसमें एक अंडरकवर आतंकवादी की भूमिका निभाएंगे। सूत्रों के अनुसार जॉन इस फिल्म में ऐसे किरदार निभा रहे हैं, जिसके लिए पैसा ही

पठान एक्शन से लकदक फिल्म होने वाली है, जिसके लिए शाहरुख खान भी नए लुक में दिख रहे हैं। ये पहला मौका ऐसा होगा जब पर्दे पर शाहरुख खान के सामने जॉन अब्राहम होंगे। ऐसे में जॉन अब्राहम के किरदार को सबकुछ है। वो किसी देश या धर्म का नहीं है।

उसको सिर्फâ एक ही बात समझ में आती है वो है पैसा।

पठान में जॉन अब्राहम का किरदार रूसी माफिया के लिए काम करता है।

अब गायक जावेद अली ने म्यूजिक रियलिटी शोज की खोली पोल

सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 12' अपने कंटेंट से ज्यादा विवादों को लेकर चर्चा में है। किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार ने शो के बारे में कहा था कि उनसे कंटेस्टेंट की तारीफ करने के लिए कहा गया था। यह मामला तूल पकड़ता चला गया और अभी तक कई गायकों, संगीतकारों और संगीत से जुड़े अन्य लोगों के विचार इस पर सामने आ चुके हैं।

लोगों को मसाला चाहिए

अब गायक जावेद अली ने एक इंटरव्यू में इस बारे में कहा कि जब वह एक शो जज कर रहे थे तो एक कंटेस्टेंट इस वजह से जीता क्योंकि वह आकर्षक तरीके से बातें कर सकता था। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए जावेद अली कहते हैं कि 'आपको बता दूं कि लोग मनोरंजन और मसाला चाहते हैं। वे उनकी जिंदगी के बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। हाल ही में मैंने एक शो में हिस्सा लिया और मैंने अपने शुरुआती मुश्किलों के बारे में बात की।'

रियलिटी शोज की ये है सच्चाई

जावेद आगे कहते हैं कि 'दूसरी तरफ देखें तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने कुछ समय पहले एक शो जज किया था, दुर्भाग्य से एक कंटेस्टेंट सिर्फ इसलिए म्यूजिक रियलिटी शो जीता क्योंकि वह अपनी बातों से प्रभाव पैदा कर सकता था। फिर भी मैं यही कहूंगा कि यह एक व्यक्ति की निजी राय है कि किसे वोट देना है। मुझे नहीं लगता कि किसी को भी किसी कंटेस्टेंट को वोट देने के लिए मजबूर किया जाता है।'

ईमानदारी से विचार रखे

अमित कुमार और 'इंडियन आइडल' के विवाद पर जावेद अली ने कहा कि 'जब मैंने यह सुना तो थोड़ा हैरान रह गया क्योंकि मेरे साथ तो ऐसा नहीं हुआ था।

तलाक के बाद साथ में दिखे आमिर खान और किरण राव

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान और उनकी पत्नी किरण राव ने शादी के 15 सालों बाद अलग होने का फैसला कर लिया है। दोनों ने अपने तलाक का ऐलान बेहद संजीदगी के साथ किया और ये साबित कर दिया की तलाक के बाद भी रिश्ते खराब हों, ऐसा जरूरी नहीं। दोनों की समझदारी ही कारण है कि आमिर खान और किरण राव एक बार फिर से एक साथ नजर आए हैं। दोनों के हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखकर फैंस उनके रिश्ते की तारीफें करते नजर आ रहे हैं। आमिर और किरण की ये लेटेस्ट फोटो सोशल मीडिया पर ताबड़तोड़ वायरल हो रही है।

तस्वीर से मिला सबूत

अभिनेता आमिर खान और किरण राव ने सोशल मीडिया के जरिए अपने तलाक के बारे में जानकारी दी थी। दोनों का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें आमिर, किरण का हाथ थाम कर ये साफ करते दिखाई दिए कि उन दोनों के रिश्ते में कोई दरार नहीं आई है, दोनों अभी भी दोस्त हैं। वहीं, हाल ही में इसका सबूत मिला नागा चैतन्या द्वारा शेयर की गई एक तस्वीर में, जिसनें आमिर खान और किरण एक साथ खड़े होकर मुस्कुराते हुए पोज दे रहे हैं।

बढ़ी फैंस की एक्साइटमेंट

ये फोटो आमिर खान की आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के शूट के दौरान ली गई है। इस तस्वीर नें नागा, आमिर और किरण के अलावा फिल्म के डायरेक्टर अद्वैत चंदन भी नजर आ रहे हैं।

दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन ने कर ली अगली फिल्म की तैयारी

इन दिनों बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों को लेकर जबरदस्त चर्चाएं, कई प्रोजेक्ट्स की शूटिंग चल रही है तो कई रिलीज के लिए तैयार हैं। वहीं इन सबके बीच दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की एक आने वाली फिल्म को लेकर खबरें तेज हो गई हैं। इसमें दीपिका और ऋतिक पहली बार एक साथ नजर आने वाले हैं, यही कारण है कि लेटेस्ट तस्वीरों ने फैंस एक्साइटमेंट और भी बढ़ा दी है। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी खुद ऋतिक ने अपने सोशल एकाउंट पर शेयर की है।

तैयार है गैंग

दरअसल, हाल ही में ऋतिक रोशन मे अपने इंस्टाग्राम कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण, सिद्धार्थ आनंद नजर आ रहे हैं। ऋतिक ने इस मुलाकात को 'गैंग' कहा है। बता दें कि इन तीनों की ये मीट हुई है, फिल्म 'फाइटर' को लेकर। ये फोटो शेयर करते हुए ऋतिक ने कैप्शन में लिखा- 'ये गैंग उड़ान के लिए तैयार है'। इस पोस्ट पर दीपिका ने कमेंट करते हुए लिखा- 'हां, लेकिन जल्द से जल्द हम ये खाना पचा लें'। यहां देखें ऋतिक रोशन द्वारा शेयर की गई तस्वीर-

ऐसी होगी फिल्म

बात करें फिल्म 'फाइटर' की तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये भारत की पहली हवाई एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन एक्शन फिल्मों में महारत रखने वाले सिद्धार्थ आनंद करेंगे। ऋतिक इससे पहले 'बैंग बैंग' और 'वॉर' फिल्म में सिद्धार्थ के निर्देशन में काम कर चुके हैं। ऋतिक रोशन के बर्थडे पर इस फिल्म का 30 सेकंड का टीजर रिलीज किया गया था।

13 अगस्त को आएगी भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया

बॉलीवुड सिंघम अजय देवगन की मच अवेटेड फिल्म 'भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया' काफी लंबे समय से चर्चा में थी। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता है। ऐसे में एक्टर अजय देवगन ने फिल्म का पहला प्रमोशन पोस्टर जारी करते हुए फैंस को बता दिया है कि यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के मौके पर १३ अगस्त को डिज्नी प्लस हॉटस्टार वीआईपी पर रिलीज की जाएगी।

एक्टर अजय देवगन की यह पहली फिल्म है, जो की कोरोना काल में ओटीटी पर रिलीज होगी। भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया फिल्म के प्रमोशन पोस्टर में १९७० के दशक की दुनिया की एक झलक दिखाई दे रही है। फिल्म के इस पोस्टर में युद्ध जैसे हालात हैं।

ट्रेडिशनल लुक में रौतेला

बॉलीवुड की सुपरस्टार उर्वशी रौतेला आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, लेकिन वो अक्सर अपनी महंगी ड्रेस की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में उर्वशी ने एक बार फिर से ट्रेडिशनल लुक से सबका दिल जीत लिया है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने ट्रेडिशनल लुक को लेकर सुर्खियां बटोरी

हैं, जिसमें वह किसी प्रिंसेस की तरह दिख रही हैं। हालांकि ड्रेस से ज्यादा उसकी कीमत लोगों का ध्यान खींच रही है। ये लहंगा रेनू टंडन द्वारा डिजाइन किया गया है। उस पर भारी और कलात्मक सुनहरी कारीगरी दिखाई दे रही है, जिसकी कीमत २८ लाख है। इस दौरान उन्होंने जो ज्वैलरी कैरी की है उसकी कीमत १ करोड़ तक है।

दिलैक की दिलकश अदाएं

अपने हुस्न और अपनी दिलकश अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करने वाली रुबीना दिलैक ने कई बार अपने हॉट अवतार से भी सनसनी मचाई है। इस बार भी उनके बोल्ड अंदाज ने इंटरनेट का पारा चढ़ा दिया है। टीवी सीरीज छोटी बहू में मुख्य किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाने वाली रुबीना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वो स्काई ब्लू कलर की बिकिनी पहने नजर आ रही हैं। रुबीना के इस

कातिलाना रूप ने तबाही मचा दी है। रुबीना के इस फोटो पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। रुबीना ने इस थ्रोबैक फोटो को शेयर करते हुए लिखा- 'छुट्टियों के लिए तरस रही हूं एक बीच, बिकिनी और कुछ तस्वीरें।'

बेस्ट आर्किटेक्चर इंस्टिट्यूट का चुनाव कैसे करें

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

आर्किटेक्चर आज उद्योग में सबसे आशाजनक पेशे में से एक है। सही संस्थान का चयन करके यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन सकता है। वास्तुकला का पेशा बहुमुखी है और इसके लिए निरंतर संस्थान उद्योग सहभागिता की आवश्यकता होती है। अच्छे संस्थान उद्योग से विशेषज्ञों की भागीदारी करते हैं। एक संस्थान जो छात्रों को प्रमाणित प्रशिक्षण, सलाह और सहकर्मी शिक्षा के माध्यम से पेशे की चुनौतियों के लिए तैयार करता है, वास्तुकला शिक्षा की सर्वोत्तम गुणवत्ता प्रदान करता है। वास्तुकला का पाठ्यक्रम कार्यक्रम का अनुसरण करने वाले छात्र से व्यापक कार्य की मांग करता है, इस प्रकार संस्थान का स्थान संस्थान के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पड़ोस में एक संस्थान जो यात्रा के समय को कम करता है या आसान पहुंच है, सबसे उपयुक्त है।

प्रदर्शन का आकलन करने का सबसे अच्छा तरीका संस्थान का दौरा करना और व्यक्तिगत रूप से बुनियादी ढांचे और छात्रों को दी जाने वाली सहायक सुविधाओं की जांच करना है।

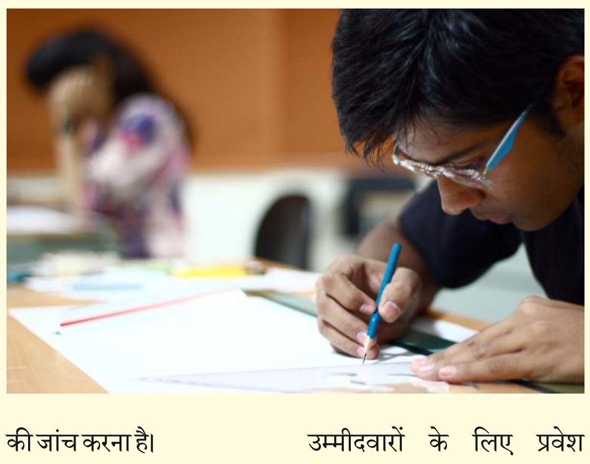

साथ ही, संस्थान में पढ़ रहे छात्रों से व्यक्तिगत फीडबैक लेना किसी भी संस्थान की सच्ची अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक निश्चित तरीका है। कॉलेजदुनिया, शिक्षा, कॉलेज खोज, कॉलेजदेखो जैसे पोर्टल, से छात्रों के फीडबैक प्राप्त किया जा सकता है। छात्र ऐसे पोर्टल पर पूछताछ फॉर्म भर सकते हैं या सीधे अपनी पसंद के संस्थान पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं। कई बार संस्थान के विवरण ई-ब्रोशर के रूप में संस्थागत वेबसाइटों पर प्रदर्शित होते हैं।

डीटीई वास्तुकला कार्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश प्राधिकरण है। महाराष्ट्र में आर्किटेक्चर में प्रवेश पाने के इच्छुक सभी उम्मीदवारों के लिए प्रवेश प्राधिकरण द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार पंजीकरण करना अनिवार्य है। अधिकांश वास्तुकला संस्थान मार्गदर्शन करते हैं। अधिक विस्तृत जानकारी के लिए आप tsapmumbai.in जा सकते हैं

मेयर हॉल जुहू अंधेरी वेस्ट में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का भव्य आयोजन करने जा रहे है डॉ कृष्णा चौहान

बॉलीवुड फिल्मों के डायरेक्टर और लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड के फाउंडर कृष्णा चौहान अब डॉक्टर कृष्णा चौहान बन गए हैं।

जी हां, दरअसल कृष्णा चौहान जी को इस साल उनके जन्मदिन के अवसर पर पीएचडी की उपाधि से नवाजा गया है और इस तरह अब उन्हें डॉक्टर कृष्णा चौहान कहा जाएगा। ये 2021 में कोरोना काल और लॉक डाउन के समय मे कृष्णा चौहान जी को सबसे बड़ा जन्मदिन का तोहफा मिला है। कोविड 19 और लॉक डाउन की वजह से डॉ कृष्ण चौहान जी ने अपने घर पे ही अपना जन्मदिन मनाया। था आपको बता दें कि डॉ. कृष्ण चौहान हर साल अपने जन्मदिन पर राशन और भगवतगीता वितरित करते हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं। मुम्बई में लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड मई 2021 में करने वाले थे मगर कोरोना काल और

लॉकडाउन की वजह से ये अवार्ड फंक्शन नहि हो पाया। इसी लिए यह अवॉर्ड अब दिनाक 11जुलाई 2021 को दोपहर 1बजे से 4 बजे तक मेयर हॉल जूहू में आयोजित किया जाएगा। 26 दिसंबर 2021 को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि डॉ कृष्णा चौहान 28 फरवरी को बोलीवुड आइकोनिक अवार्ड 2021 का सफल आयोजन कर चुके हैं।आपको बता दें कि डॉ कृष्णा चौहान की एनजीओ/ ट्रस्ट है जिसका नाम कृष्णा चौहान फाउंडेशन है।

इस संस्था के अंतर्गत गरीबों और जरूरतमंदों में भोजन का वितरण और भगवतगीता का वितरण किया जाता है। डॉ कृष्णा चौहान खुद एक सामाजिक कार्यकर्ता है, जो लोगो की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 फंक्शन के दिन डॉ कृष्णा चौहान अपनी बॉलीवुड फिल्म का पोस्टर लॉन्च भी करेंगे जिसकी शूटिंग जुलाई 2021 मे करंगे। उल्लेखनीय है कि डॉ कृष्णा चौहान एक फिल्म निर्देशक हैं जो गोरखपुर यूपी के रहने वाले हैं और मुंबई मैं 18 वर्षो से रह रहे हैं। इन 18 वर्षों में डॉ कृष्णा चौहान ने बॉलीवुड के कई मशहूर निर्देशकों को असिस्ट किया और आज डॉ कृष्ण चौहान किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। डॉ कृष्ण चौहान को आज पूरा बॉलीवुड जानता है।डॉ कृष्णा चौहान की एक हिंदी फिल्म "जीना नही तेरे बिना" रिलीज़ के लिए तैयार है। उनका एक हिंदी एल्बम "ज़िक्र तेरा" भी रिलीज़ होने वाला है। उन्हें उनकी हिंदी शार्ट फिल्म के लिए बेस्ट निर्देशक का पुरस्कार भी मिल चुका है।डॉ कृष्ण चौहान आज जो भी हैं अपनी कड़ी मेहनत की वजह से हैं। बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले डॉ कृष्णा चौहान फिल्म निर्देशक होने के हाथ साथ अवार्ड फंक्शन का आयोजन भी करते रहते हैं। साथ ही वह कृष्णा चौहान फाउंडेशन भी संचालित करते हैं।

डॉ कृष्णा चौहान
निर्देशक और संस्थापक,
लीजेंड दादा साहेब
फाल्के अवार्ड
कृष्णा चौहान फाउंडेशन के
राष्ट्रीय अध्यक्ष

क्या अपने ही जाल में फंस गए पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह?

सीबीआई और NIA ले सकते हैं कानूनी ऐक्शन

मुंबई, पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की शिकायत पर महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ करीब तीन महीने पहले सीबीआई की जांच शुरू हुई।

अब खुद परमबीर सिंह के खिलाफ सीबीआई जांच शुरू हो सकती है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सीबीआई से इशारों-इशारों में बहुत कुछ कह दिया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी कर परमबीर सिंह की मुसीबतें और बढ़ा दीं कि (प्र) शासन प्रमुख यह दावा नहीं कर सकता कि वह निर्दोष है, बल्कि वह बराबर का जिम्मेदार है। हाई कोर्ट की यह टिप्पणी अपरोक्ष रूप से सचिन वाझे की 16 साल निलंबन के बाद पुलिस में बहाली को लेकर थी। हाईकोर्ट के अनुसार, कोई भी प्रशासन प्रमुख यह कहकर बेगुनाही का दावा नहीं कर सकता कि केवल कार्यपालिका के आदेशों का पालन कर रहा था। प्रशासन का मुखिया भी उतना ही जिम्मेदार होता है। हो सकता है, मंत्री ने सचिन वाझे को बहाल करने को कहा हो, लेकिन क्या प्रमुख और शीर्ष पद पर बैठा व्यक्ति अपने कर्तव्यों का पालन किए बिना आदेशों का पालन कर सकता है? इसके बाद हाईकोर्ट के न्यायधीश शिंदे ने कहा कि हम सीबीआई से जांच का दायरा बढ़ाने की उम्मीद करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि सीबीआई यह पता लगाएगी कि षडयंत्रकारी कौन है? 100 करोड़ के लेटर से मचा था भूचाल सचिन वाझे के नाम के इस संदर्भ की यहां कई वजह से अहमियत है। परमबीर सिंह ने मार्च में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अनिल देशमुख के संबंध में जब पत्र लिखा था, तो आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख ने सचिन वाझे पर हर महीने 100 करोड़ रुपये की उगाही का दबाव डाला था। उसी के बाद हाई कोर्ट के आदेश पर केस सीबीआई को गया था। बाद में ईडी ने भी मनी लॉन्ड्रिंग के तहत जांच शुरू कर दी, जिसमें सचिन वाझे का जेल जाकर स्टेटमेंट लिया गया। सीबीआई भी सचिन वाझे का कई बार स्टेटमेंट ले चुकी है।

सचिन वाझे की क्राइम इंटेलिजेंस यूनिट यानी सीआईयू में नियुक्ति किसने की, यह रहस्य किसी से छिपा नहीं है। सचिन वाझे की सीआईयू में पोस्टिंग का विरोध तत्कालीन मुंबई क्राइम ब्रांच चीफ संतोष रस्तोगी ने किया था, यह रहस्य भी किसी से छिपा नहीं है। संतोष रस्तोगी इन दिनों NIA में हैं, जो एंटीलिया जिलेटिन और हिरेन मनसुख मर्डर की जांच कर रही है।

4 सालों में ठाणे में नहीं बना एक भी इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन, प्रशासन के दावे पर उठे सवाल

ठाणे, महाराष्ट्र की स्मार्ट सिटी ठाणे में मनपा प्रशासन की तरफ से चार साल पहले इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के निर्माण की बात कही गई थी। शहर में 100 चार्जिंग स्टेशन बनाने का दावा किया गया था, लेकिन यह सपना सपना ही साबित हुआ है। शहर में बीते 4 साल में एक भी चार्जिंग स्टेशन नहीं बन पाया है।

चार्जिंग स्टेशन के अभाव में मनपा परिवहन सेवा की करीब सवा करोड़ रुपये मूल्य की एकमात्र इलेक्ट्रिक बस डिपो में खड़ी जर्जर हो रही है और शहर में अधिक से अधिक इलेट्रिक वाहनों को दौड़ाने का मनपा का दावा खोखला साबित हुआ है। तत्कालीन मनपा आयुक्त संजीव जायसवाल के कार्यकाल में मई 2017 में चार्जिंग स्टेशन का निर्माण करने की दिशा में सर्वे शुरू

किया गया था और उसका जल्द निर्माण किया जाना था।

इंटरनेशनल फाइनेंस कार्पोरेशन के सहयोग से इस योजना को साकार किया जाना था। उस समय ठाणे मनपा का दावा था कि यह योजना लागू करने वाली ठाणे देश की पहली मनपा होगी। शहर में पेट्रोल पंप की तर्ज पर विभिन्न स्थानों पर कुल 100 इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का निर्माण करने का दावा मनपा ने किया था। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए साकार की जाने वाली योजना के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने की दिशा में वाहनों की चार्जिंग वालों को पहले साल में 75 फीसद, दूसरे साल में 50 फीसद तथा तीसरे साल में 25 फ़ीसद की छूट देने की भी घोषणा की गई थी। 100 इलेक्ट्रिक बसों को किया जाना था शामिल साल 2018 में पहली इलेक्ट्रिक बस टीएमटी के बेड़े में शामिल हुई थी। लोगों को अच्छी यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 100 इलेक्ट्रिक बसों को टीएमटी में शामिल किया जाना है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत पहले चरण में 10 बस को शहर की सड़कों पर उतारा जाना है। ठाणे में चार्जिंग स्टेशन के न होने के चलते बस को चार्ज करने के लिए मुंबई या नवी मुंबई ले जाना पड़ता है, इसलिए एकमात्र बस शहर की सड़कों पर नहीं दौड़ पाई।

मुंबई में किन्नर की हैवानियत, इनाम नहीं मिलने पर मासूम का अपहरण कर उतारा मौत के घाट

मुंबई, मुंबई से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने सभी को हिलाकर रख दिया है। दरअसल एक दंपति के घर बेटी होने के बाद इनाम राशि नहीं मिलने पर एक किन्नर ने 3 महीने की बेटी को घर से अगवा किया। इसके बाद उसे बड़ी बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। पूरे मामले की जानकारी जब मुंबई पुलिस को मिली तो अधिकारियों ने किन्नर समेत उसके एक साथी को गिरफ्तार कर लिया। पूरा मामला मुंबई के कफ परेड इलाके का है जहां एक दंपति को 3 महीने पहले बेटी हुई थी, जिसके खुशी में किन्नर अपने कुछ साथियों के साथ दंपति के घर पहुंचे। किन्नर ने खुशी इजहार कर बिटिया के पिता और माता से इनाम के तौर पर 1100 रुपये नकद, एक नारियल और साड़ी मांगी थी। इनाम नहीं मिलने पर किन्नर ने बच्ची का किया अपहरण किन्नर की इस मांग को बच्ची के घर वालों ने देने से मना कर दिया। किन्नर को ये बात बिल्कुल नागवार गुजरी उसने दंपति से बदला लेने की ठान ली। इनाम की राशि न मिलने पर किन्नर ने अपने एक पुरुष साथी की मदद से रात को इस बच्ची को उसके घर से अपहरण कर लिया। बच्ची की मां कफपरेड पुलिस स्टेशन जाकर बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज होते ही पुलिस ने जांच शुरु की और खुलासा हुआ कि इनाम राशि न मिलने के चलते किन्नर ने बच्ची को अगवा कर उसे मार दिया। मामले में अब किन्नर और उसका साथी पुलिस की गिरफ्त में है।

मुंबई में टीकाकरण बंद, खुराक मिलने के बाद होगा शुरु

मुंबई . मुंबई में कोरोना वायरस संक्रमण निरोधक टीकाकरण, टीकों की कमी के कारण स्थानीय निकाय एवं सरकारी केंद्रों पर बंद रहेगा और कर्मचारियों का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण रविवार को भी टीकाकरण नहीं होगा. बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी. गौरतलब है कि टीकों की कमी के कारण शुक्रवार को भी यह अभियान बीएमसी एवं महाराष्ट्र सरकार के केंद्रों पर निलंबित ही रहा. बीएमसी के बयान के अनुसार टीकों

की कमी के कारण शनिवार को भी टीकाकरण बंद रहेगा और कर्मचारियों का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण यह रविवार को बंद रहेगा.

निकाय ने बयान में कहा है कि टीकों की ताजा खेप प्राप्त होने के बाद ही टीकाकरण अभियान शुरू किया जा सकेगा. बयान में कहा गया है, ''मुंबई के लोगों को टीकाकरण के बारे में सूचित किया गया है कि टीके की खुराक मिलने के बाद ही यह शुरू होगा.

'' स्थानीय निकाय ने बीएमसी एवं सरकारी केंद्रों पर टीकों की कमी के कारण एक जुलाई को भी टीकाकरण रोक दिया था. बीएमसी के अनुसार

मुंबई में सात जुलाई तक कुल 59,29,190 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है . इनमें से 12,47,410 लोगों को दूसरी खुराक दी जा चुकी है.

प्रीतम मुंडे को मंत्री पद ना मिलने पर क्या बोलीं पंकजा?

आखिरकार प्रीतम मुंडे को मंत्री पद न दिए के बाद उनकी बहन ने चुप्पी थोड़ी है। पंकजा ने कहा कि उनकी बहन को मंत्री नहीं मिला इस वजह से वो या उनका परिवार नाराज नहीं है। उन्होंने कहा नेता वही होता है जो अपने कार्यकर्ता को बढ़ता हुआ देख खुश हो। भागवत कराड को मंत्रिपद मिलने से वे खुश हैं और उन्होंने कराड को बधाई भी दी है। पंकजा ने कहा कि हमने कभी भी मंत्रिपद की मांग नहीं की थी। हालाँकि पंकजा ने कहा कि कार्यकर्ताओं को जरूर नाराजगी है जिन्हें वो समझाने का प्रयास करेंगी।

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
Pure Veg.
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥
॥ શ્રી૧ ॥
॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani
99040 77991
Kishan Kyada
99040 77990
Jay Kuber
CONSULTANCY
➢ PERSONAL LOAN
➢ CONSUMER LOAN
➢ HOME LOAN
➢ MORTGAGE LOAN
➢ CAR LOAN
➢ MUDRA LOAN
➢ INSURANCE
➢ PANCARD
jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।